

सीएम यूथ कॉन्क्लेव 2026: डॉ मोहन यादव ने किया छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद, एक साल में 12 जिलों में नए मेडिकल कॉलेज खुलेंगे

युवा हमारी असली ताकत, अगला साल उन्हीं के नाम पर: मुख्यमंत्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश की युवा शक्ति को रोजगार, कौशल, स्टार्टअप और नई तकनीकों से जोड़ने के लिए आज सीएम यूथ कॉन्क्लेव-2026 में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने युवाओं से सीधा संवाद किया। उन्होंने रोजगार, स्टार्टअप और खेती किसानों से जुड़े कॉलेज छात्र छात्राओं के सवालों के जवाब दिए। उन्होंने बताया कि टेलीकॉम सेक्टर का देश का सबसे बड़ा हब ग्वालियर में बनने जा रहा है। साथ ही खेती में नवाचार बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने युवाओं को सबसे बड़ी ताकत बताते हुए वर्ष 2027 को युवा वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा

की। राजधानी के लाल परेड मैदान पर आयोजित इस कॉन्क्लेव में हजारों की संख्या छात्र - छात्राएं मौजूद हैं।

मुख्यमंत्री ने एक छात्र के सवाल के जवाब में बताया कि सरकार का लक्ष्य युवाओं को नौकरी देने वाला बनाने का है। इसके लिए स्टार्टअप नीति में पांच लाख तक का अनुदान दिया जा रहा है। इसके अलावा अगले एक साल तक हर महीने एक जिले में नया मेडिकल कॉलेज खोलने की योजना है। डॉ यादव ने प्रधानमंत्री मोदी नरेंद्र मोदी के सेवा 25 साल पूरे होने का जिक्र करते हुए कहा कि हमारा प्रदेश देश को विकसित बनाने के उनके संकल्प में अग्रणी रहेगा।



रोजगार से स्टार्टअप तक

कॉन्क्लेव में रोजगार, कौशल विकास, स्वरोजगार, उद्यमिता, नवाचार, अनुसंधान और नई तकनीकों पर विशेष सत्र और गतिविधियां होंगी। विशेषज्ञों के साथ शैक्षणिक संस्थान, उद्योग और स्टार्टअप भी इसमें शामिल हैं। युवाओं को बदलते जॉब मार्केट, नए कौशल की जरूरत, स्वरोजगार की संभावनाओं और अपने आइडिया को बिजनेस में बदलने के तरीकों की जानकारी दी जा रही है। युवाओं को उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, उद्योग, एमएसएमई, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, श्रम, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, परिवहन, आयुष, पुलिस और साइबर सुरक्षा समेत कई विभागों के और से संचालित योजनाओं और अवसरों की जानकारी दी जाएगी।

प्रदर्शनी में दिखी भविष्य की झलक

कार्यक्रम में 80 से अधिक प्रदर्शनी कक्ष लगाए गए हैं। युवा कॉन्क्लेव में भविष्य की तकनीकों को खास जगह दी गई है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, ड्रोन, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहन जैसे क्षेत्रों में शिक्षा, प्रशिक्षण, रोजगार और रिसर्च की संभावनाओं से युवाओं को परिचित कराया जाएगा। इसका मकसद युवाओं को केवल नौकरी की तलाश तक सीमित रखने के बजाय उन्हें नई तकनीकों और इनोवेशन के क्षेत्र में अवसर तलाशने के लिए प्रेरित करना है। स्टार्टअप सेंटर के माध्यम से नए उत्पाद और प्रयोग रखे गए हैं जिनके जरिये युवा यह समझ सकेंगे कि किसी विचार को उत्पाद, सेवा और सफल उद्यम में कैसे बदला जा सकता है।



डॉ. विनीत कुमार तिवारी लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से सम्मानित

भोपाल। भोपाल के योग सांसद एवं भारतीय योग संसद के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. विनीत कुमार तिवारी को लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड का सम्मान प्रदान किया। उन्हें यह सम्मान नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित एक समारोह में लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के इंटरनेशनल चेयरमैन इंडिया डॉ. अविनाश डी. साकुंडे एवं रजिस्टर्ड कमिश्नर डॉ. मनीष शोभा शंकर राव गर्वई ने प्रदान किया।

तीन दशकों से अधिक समय से डॉ. तिवारी योग की वैज्ञानिक समझ को आगे बढ़ाने, भारत के पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित करने तथा भारत व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वास्थ्य, सद्भाव, शांति, आध्यात्मिक जागरूकता और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए कार्यरत हैं। उन्हें आनंद योग के संस्थापक के रूप में भी मान्यता प्राप्त है।

न्यूज विंडो

राज्यसभा चुनाव में तीसरा उम्मीदवार नहीं उतारेगी सपा!

लखनऊ। राज्यसभा चुनावों को लेकर समाजवादी पार्टी के तीसरे उम्मीदवार पर सस्पेंस लगभग खत्म हो गया है। अखिलेश यादव ने आज सोशल मीडिया एक्स पर जो पोस्ट किया उससे ऐसा ही लग रहा है। अखिलेश ने लिखा- अब हमारी निगाह तीन पर नहीं, चार सौ तीन पर है। इस पोस्ट से ये लगभग क्लियर हो गया है कि राज्यसभा चुनाव में समाजवादी अपना तीसरा उम्मीदवार नहीं उतारेगी। राज्यसभा चुनाव के लिए नार्माकन की आज आखिरी तारीख है। ऐसा लग रहा था कि आज अखिलेश तीसरे उम्मीदवार के नाम का ऐलान करेंगे।

असम में 4.5 तीव्रता का भूकंप, 4 मिनट बाद मणिपुर में भी झटके गुवाहाटी। असम के नगांव में आज सुबह 4.5 तीव्रता का भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप सुबह 4.23 बजे आया। जमीन से इसकी गहराई 33 किमी थी। इसके करीब 4 मिनट बाद मणिपुर के तमेंगलॉंग में 2.9 तीव्रता का भूकंप आया। यह झटका सुबह 4:27 बजे दर्ज किया गया। इसकी गहराई 12 किमी थी।

आज का कार्टून



एसआईआर पर सवाल... तिरंगा लेकर बैरिकेड पर चढ़े नेता प्रतिपक्ष

चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्ष की ताकत... राहुल-अखिलेश हिरासत में

नई दिल्ली, एजेंसी

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर 19 विपक्षी पार्टियों के सांसद सेव डेमोक्रेसी मार्च निकाल रहे हैं। पुलिस ने ऑल इंडिया रेंडियो के बाहर विपक्षी सांसदों को आगे बढ़ने से रोक दिया है। वहां राहुल गांधी हाथ में तिरंगा लेकर बैरिकेड्स पर चढ़ गए। पुलिस ने राहुल-प्रियंका को हिरासत में लेकर बस में बैठाया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, 'हम अन्याय के खिलाफ लड़ रहे हैं... सरकार आजादी के बाद मिले वयस्क मताधिकार को खत्म करने की कोशिश कर रही है और मुख्य चुनाव आयोग सरकार की कठपुतली है। वो वही करते हैं जो मोदी और शाह कहते हैं...हम लड़ते रहेंगे।'

विपक्ष के ज्यादातर सांसद सेव डेमोक्रेसी का बैनर लेकर पहुंचे। सुरक्षा बल के रोकने पर कई विपक्षी सांसद सड़क पर बैठ गए हैं। वे 'ज्ञानेश कुमार लगतार अपनी मर्जी से, देश की डेमोक्रेसी, संविधान और कानून के खिलाफ फैसले ले रहे हैं। विपक्ष शुरू से ही इसके खिलाफ था, आज भी है और जब तक उन्हें हटाया नहीं जाता, तब तक इसका विरोध करता रहेगा।'

समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेन्द्र यादव ने कहा- जब से एसएआरअनाउंस हुआ है, समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव इसका कड़ा विरोध कर रहे हैं, और पूरा विपक्ष इसका विरोध कर रहा है। बाकी दो इलेक्शन कमिश्नर ने भी साबित कर दिया है कि ज्ञानेश कुमार लगतार अपनी मर्जी से, देश की डेमोक्रेसी, संविधान और कानून के खिलाफ फैसले ले रहे हैं। विपक्ष शुरू से ही इसके खिलाफ था, आज भी है और जब तक उन्हें हटाया नहीं जाता, तब तक इसका विरोध करता रहेगा।

संसद से चुनाव आयोग तक मार्च, पुलिस ने रोका तो सड़क पर बैठे सांसद



इस्तीफे तक विरोध चलता रहेगा

समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेन्द्र यादव ने कहा- जब से एसएआरअनाउंस हुआ है, समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव इसका कड़ा विरोध कर रहे हैं, और पूरा विपक्ष इसका विरोध कर रहा है। बाकी दो इलेक्शन कमिश्नर ने भी साबित कर दिया है कि ज्ञानेश कुमार लगतार अपनी मर्जी से, देश की डेमोक्रेसी, संविधान और कानून के खिलाफ फैसले ले रहे हैं। विपक्ष शुरू से ही इसके खिलाफ था, आज भी है और जब तक उन्हें हटाया नहीं जाता, तब तक इसका विरोध करता रहेगा।

दिल्ली में नई संसद से चुनाव आयोग तक के मार्च में आम आदमी पार्टी और और डीएमके शामिल नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे ने आरोप लगाया था कि एसआईआर से 13 करोड़ नाम काटे गए हैं। विपक्षी सांसद सरक्षा बलों के रोके जाने पर भी चुनाव आयोग

तक जाने की मांग पर अड़े रहे। लेकिन उन्हें नीति आयोग ऑफिस के सामने सुरक्षाकर्मियों ने रोक दिया गया। राहुल गांधी, प्रियंका वाड़ा और दूसरे विपक्षी नेता आगे बढ़ने की मांग करते रहे। सपा सांसद जया बच्चन पीडीए के वोट काटने के दावे वाला पोस्टर लेकर पहुंची।

यूपी में ओले गिरे, लखनऊ में मंदिर डूबे

लखनऊ/भोपाल, एजेंसी

देश के ज्यादातर राज्यों से मानसून लौट चुका है। वहीं, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, यूपी, हिमाचल, छत्तीसगढ़ और झारखंड में बारिश की संभावना है।

यूपी के बाराबंकी, प्रतापगढ़ और सुल्तानपुर में सोमवार रात आंधी-बारिश के साथ ओले गिरे। आंधी से पेड़-बिजली के पोल गिर गए। पहाड़ों पर बारिश के बाद 10 नदियां उफान पर हैं और लखनऊ-सीतापुर समेत 11 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। लखनऊ में गोमती नदी का जलस्तर लगातार 8वें दिन बढ़ रहा है। कई स्थानों पर मंदिरों में बारिश का पानी भर गया है।



लखनऊ में बारिश का पानी मंदिर में घुसा।

एमपी के ऊपर चक्रवात, कई जिलों में बारिश

मध्यप्रदेश के ऊपर हिस्से में साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) की एक्टिविटी है। इस वजह से जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में अगले 4 दिन बारिश होने का अनुमान है। इंदौर और भोपाल में दिन में तेज धूप और रात में ठंडक रहेगी। पन्ना, सतना, रीवा, सिंगरौली और शहडोल में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होने का अनुमान है।

मेट्रो एंकर

पहली बार कैप्टिव ब्रीडिंग सेंटर में तैयार किए गए दो गोडावणों को प्राकृतिक पर्यावास में छोड़ा

रंग लाई 10 साल की मेहनत... थार में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड की उड़ान

जयपुर, एजेंसी

जैसलमेर के थार रेगिस्तान में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (गोडावण) संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज हुई है। डेजेंट नेशनल पार्क की सुदासरी रेंज में पहली बार कैप्टिव ब्रीडिंग सेंटर में तैयार किए गए दो गोडावणों को उनके प्राकृतिक पर्यावास में फ्री रिलीज किया गया। दोनों गोडावणों को जीपीएस टैग के साथ जंगल में छोड़ा गया है, जिससे भारतीय वन्यजीव संस्थान के वैज्ञानिक उनकी गतिविधियों पर लगातार नजर रख सकेंगे। इनकी उड़ान, भोजन की तलाश, सुरक्षित ठिकानों और उनके मूवमेंट की 24 घंटे निगरानी की जाएगी। साथ ही हाईटेशन बिजली तारों और संभावित शिकारियों से उन्हें बचाने पर भी विशेष फोकस रहेगा।

यह पहली बार है जब ब्रीडिंग सेंटर में कैप्टिव



ब्रीडिंग के जरिए तैयार हुए गोडावणों को री-वाइलडिंग प्रक्रिया के बाद सीधे प्राकृतिक पर्यावास में छोड़ा गया है। रिलीज से पहले दोनों पक्षियों को करीब 2 से 3 महीने तक री-वाइलडिंग टनल में प्राकृतिक परिस्थितियों के अनुरूप जीवन जीने की ट्रेनिंग दी गई। इस दौरान उन्हें खुले वातावरण में उड़ान भरने,

खुद भोजन तलाशने और प्राकृतिक परिस्थितियों में सुरक्षित रहने का अभ्यास कराया गया। इस प्रजाति पर गंभीर रूप से विलुप्ति का खतरा मंडरा रहा है। गोडावण के मूवमेंट से बिजली की हाईटेशन लाइनों जैसे खतरों की पहचान करने और भविष्य में संरक्षण की रणनीति तैयार करने में भी मदद मिलेगी।

इस संरक्षण अभियान के पीछे भारतीय वन्यजीव संस्थान और राजस्थान वन विभाग की करीब 10 साल की मेहनत रही है। कैप्टिव ब्रीडिंग, बच्चों के पालन-पोषण, री-वाइलडिंग और फिर प्राकृतिक पर्यावास में रिलीज तक की प्रक्रिया को विशेषज्ञों की निगरानी में आगे बढ़ाया गया।



हम्मामी का बड़ा खुलासा

मैं गाजा का बदला लेना चाहता था

दुबई/तेल अवीव। इजराइली ऑनलाइन न्यूज पोर्टल 'माकी' के अनुसार, दुबई से तेल अवीव जा रही 'फ्लाईदुबई' फ्लाइट के कैप्टन पर हमला करने और प्लेन को क्रैश करने की कोशिश करने वाले ओमानी को-पायलट ने जांचकर्ताओं को बताया कि उसने यह हमला गाजा का बदला लेने के लिए किया था। हमम अल-हम्मामी ने पृष्ठताछ के दौरान अमीराती जांचकर्ताओं से कथित तौर पर कहा, 'मैंने यह गाजा का बदला लेने के लिए किया। मैं शहीद होकर मरना चाहता था।'

खबरों के मुताबिक, ओमान के पायलट हमम अल-हम्मामी ने जांचकर्ताओं को बताया कि उसने गाजा का बदला लेने और शहीद होने के लिए यह हिंसक हमला किया। अधिकारी अब उसके फ़ोन, विदेश यात्राओं और संपर्कों की जांच कर रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसने यह सब अकेले किया था या नहीं।

हरमनप्रीत ने अचानक छोड़ी कप्तानी

सभी फॉर्मेट खेलती रहेंगी, स्मृति बन सकती हैं नई कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अचानक कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। अभी हाल ही में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने कौर की कप्तानी में ही एशियन गेम्स महिला क्रिकेट में गोल्ड मेडल जीता था। कौर ने सभी फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ी है, हालांकि वे एक खिलाड़ी के तौर पर खेलती रहेंगी। इस बीच संभावना है कि स्मृति मंधाना को नया कप्तान बनाया जा सकता है।

सोशल मीडिया पर दी जानकारी

हरमनप्रीत कौर ने सोशल मीडिया पर एक लंबा पोस्ट लिखकर कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया। उन्होंने पहली ही लाइन में लिख दिया कि वह सभी फॉर्मेट में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ रही हैं।



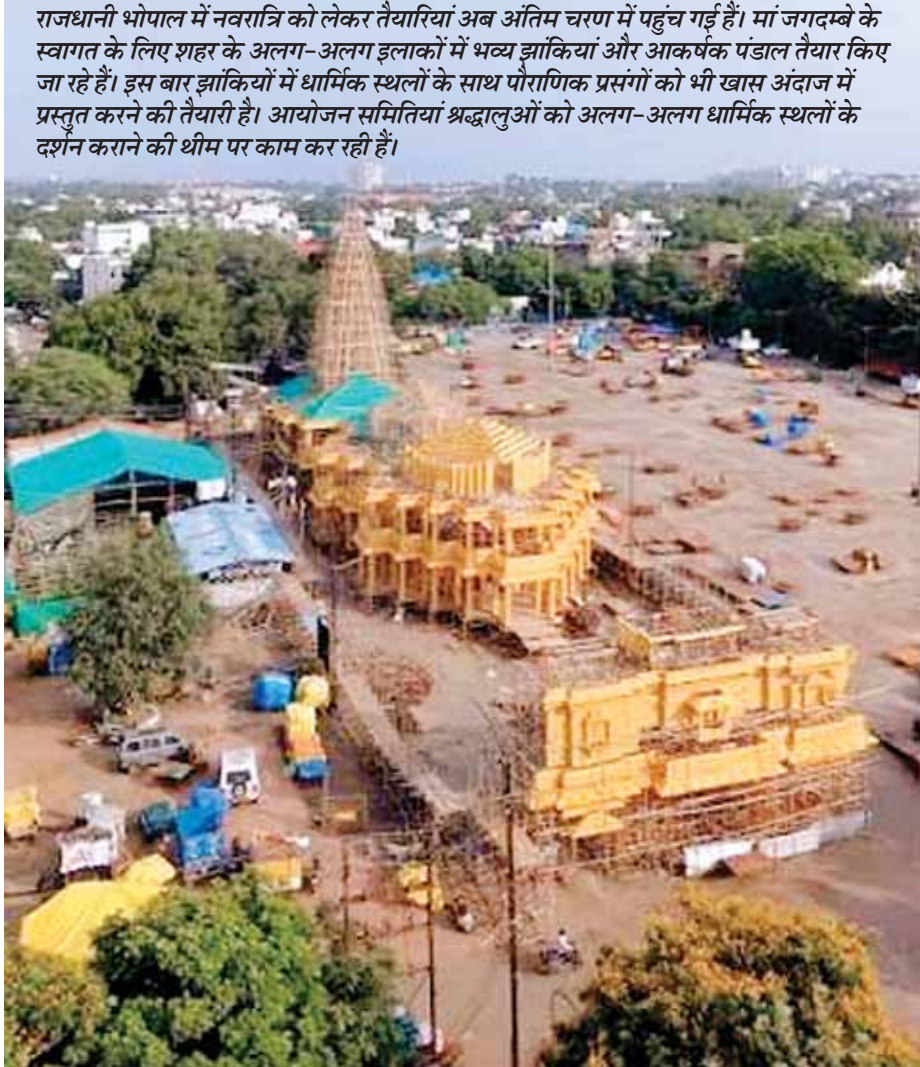
लखनऊ में भारत-वेस्टइंडीज पहला टी-20 आज

लखनऊ। भारत -वेस्टइंडीज खेती जा रही 5 मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला आज लखनऊ के इकाना स्टेडियम में शाम 7 बजे से खेला जाएगा। एशियन गेम्स की टीम के 14 में से 12 भारतीय खिलाड़ी इस सीरीज के स्क्वॉड का हिस्सा हैं। ऐसे में ट्वेंटल और पर्याप्त रेस्ट टाइम न मिलना कई खिलाड़ियों के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है।

नवरात्रि की तैयारियां अंतिम दौर में

बिट्टन मार्केट में इस बार होगी सोमनाथ की यात्रा

भोपाल, दोपहर मेट्रो



नवरात्रि को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। बिट्टन मार्केट में सोमनाथ मंदिर, जंबूरी मैदान में केदारनाथ धाम, विजय मार्केट में नीम करौली बाबा के कैचोधाम और न्यू मार्केट में नागेश्वर मंदिर की झांकी तैयार की जा रही है। न्यू मार्केट की झांकी में समुद्र मंथन की लीला दिखाई जाएगी। कोलकाता और छिंदवाड़ा के कलाकार मां दुर्गा की प्रतिमाओं को अंतिम रूप दे रहे हैं।

बिट्टन मार्केट में इस बार सोमनाथ मंदिर के दर्शन होंगे। झांकी को आकर्षक बनाने के लिए पंडाल, सजावट और धार्मिक वातावरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। नवरात्रि के दौरान यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। जंबूरी मैदान में इस बार श्रद्धालुओं को केदारनाथ धाम के दर्शन कराने की तैयारी है। यहां केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति तैयार की जा रही है।

इसी तरह विजय मार्केट में नीम करौली बाबा के प्रसिद्ध कैचोधाम का दरबार तैयार किया जा रहा है। झांकी के जरिए श्रद्धालुओं को कैचोधाम की झलक भोपाल में ही देखने को मिलेगी। आयोजक इसे धार्मिक आस्था से जोड़ते हुए आकर्षक रूप देने में जुटे हैं। वहीं न्यू मार्केट की झांकी भी इस बार खास रहने वाली है। यहां नागेश्वर मंदिर की थीम पर झांकी तैयार की जा रही है, जिसमें समुद्र मंथन की लीला को दर्शाया

जाएगा। पौराणिक कथा से जुड़े पात्रों और प्रसंगों को झांकी के जरिए जीवंत रूप देने की तैयारी है। इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं को धार्मिक कहानी से जोड़ना और बच्चों व युवाओं के लिए भी इसे आकर्षक बनाना है।

प्रतिमाओं को अंतिम रूप दे रहे कलाकार

मां दुर्गा की प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने के लिए कोलकाता और छिंदवाड़ा के कलाकार भोपाल पहुंचे हैं। कलाकार प्रतिमाओं की रंगाई, सजावट और बारीक काम को पूरा करने में जुटे हैं। कई स्थानों पर प्रतिमाओं का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है, जबकि अब अंतिम सजावट और पंडाल को तैयार करने का काम तेजी से चल रहा है। नवरात्रि के नजदीक आने के साथ ही शहर में धार्मिक माहौल भी बनने लगा है। बाजारों में सजावट और पूजा सामग्री की तैयारियां दिखाई देने लगी हैं। आयोजन समितियां झांकियों के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर भी व्यवस्थाएं पूरी करने में जुटी हैं। अलग-अलग स्थानों पर धार्मिक और पौराणिक थीम वाली झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहने की उम्मीद है। केदारनाथ, कैचोधाम और समुद्र मंथन जैसे विषयों के जरिए आयोजक भक्ति के साथ धार्मिक संस्कृति को झलक लोगों तक पहुंचाने की तैयारी में हैं।

बाल विवाह रोकने जिला एवं ग्राम स्तर के अधिकारी उतरेंगे मैदान में विशेष प्रशिक्षण के दौरान कानून की भी दी जाएगी जानकारी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में बाल विवाह की रोकथाम के लिए अब जिला से ग्राम और नगरीय निकाय स्तर तक तैनात बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों (सीएमपीओ) को कानून और मैदानी कार्रवाई का गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग ने यूनिसेफ के सहयोग से मंगलवार को प्रशासन अकादमी भोपाल में राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की है। इसकी अध्यक्षता महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया करेंगी। कार्यशाला में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के प्रविधानों, कार्रवाई, प्रकरणों की रिपोर्टिंग और प्रभावित बालिकाओं

के संरक्षण की प्रक्रिया समझाई जाएगी। इसके साथ ही किशोर न्याय अधिनियम, पाक्सो एक्ट और भारतीय न्याय संहिता के प्रासंगिक प्रविधानों पर भी प्रशिक्षण होगा।

स्थानीय स्तर पर हस्तक्षेप और विभागों से समन्वय

अधिकारियों को स्थानीय स्तर पर हस्तक्षेप करने, विभागों से समन्वय करने और प्रकरण की रिपोर्टिंग करने की प्रक्रिया भी सिखाई जाएगी। बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल की निगरानी और प्रभावी रिपोर्टिंग का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। कार्यशाला में किशोरियां अनुभव साझा करेंगी, जिससे बाल विवाह के शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक प्रभावों को समझने का अवसर मिलेगा।

मेट्रो एंकर

नवाबों से जुड़ी रियाज मंजिल कोटी पर उठे प्रामाणिकता के सवाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल में शत्रु संपत्तियों को लेकर जिला प्रशासन ने सुनवाई शुरू कर दी है। इनमें एक्टर और भोपाल के नवाब सैफ अली खान से जुड़ी संपत्तियां भी शामिल हैं। मंगलवार को बैरागढ़ एसडीएम रवीशकुमार श्रीवास्तव की कोर्ट में रियाज मंजिल को लेकर दोनों पक्ष रिकॉर्ड पेश करेंगे। बता दें कि खान्वांव स्थित ऐतिहासिक रियाज मंजिल कोटी और खसरा नंबर-42 को नवाब हमीदुल्लाह खान की दूसरी पत्नी आफताब जहां बेगम की संपत्ति मानकर 'शत्रु संपत्ति' के रूप में कार्रवाई की जा रही है। इसे लेकर आपत्ति भी दर्ज कराई गई है। इसमें सरकारी राजस्व रिकॉर्ड, वर्ष 2020 की राजस्व जांच और 29 अप्रैल 2024 को जारी बताए जा रहे

'शत्रु संपत्ति प्रमाण-पत्र' की प्रामाणिकता पर सवाल उठाते हुए मूल रिकॉर्ड बुलाने की मांग की गई है। दावा किया गया है कि उपलब्ध सरकारी राजस्व रिकॉर्ड में खसरा नंबर 42 आफताब जहां बेगम के नाम दर्ज नहीं है। रिकॉर्ड में इसका संबंध नवाब हमीदुल्लाह खान और बाद में उनकी उत्तराधिकारी नवाब बेगम साजिदा सुल्तान से बताया गया है।

आपत्तिकर्ताओं का कहना है कि किसी संपत्ति में किसी व्यक्ति का निवास करना और उसका विधिक स्वामी होना अलग-अलग विषय हैं। इसलिए आफताब जहां के रियाज मंजिल में रहने के आधार पर उनके स्वामित्व को मानने से पहले संबंधित दस्तावेजों और राजस्व रिकॉर्ड की जांच जरूरी है।



आफताब जहां का दावा सिद्ध नहीं होने का तर्क

आपत्तियों में वर्ष 2020 की राजस्व कार्रवाई का भी हवाला दिया गया है। इसके अनुसार तत्कालीन तहसीलदार, संत हिरदाराम नगर ने राजस्व प्रकरण क्रमांक 337/अ-6/2018-19 में खसरा नंबर 42 से संबंधित जांच की थी। आपत्तिकर्ताओं का दावा है कि इस जांच में आफताब जहां के पक्ष में कथित हिबा/दान के आधार पर किए गए नामांतरण के दावे को सिद्ध नहीं माना गया था।

भोपाल मेट्रो: रूट के काम पर नाराजगी; कहा-शाही कब्रिस्तान की प्रॉपर्टी, पहले अनुमति लें

विधायक ने कहा-चलो बाहर निकलो वरना बदतमीजी करने लगूंगा...!

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल में मेट्रो के ऑरेंज लाइन के फेज-2 के रूट पर उत्तर से कांग्रेस विधायक आतिफ अकील ने फिर आपत्ति उठाई है। सोमवार देर रात जब मेट्रो टीम भोपाल टॉकीज के पास स्थित शाही कब्रिस्तान पहुंची और बेरिकेड्स लगाने शुरू किए तो विधायक का पारा चढ़ गया। उन्होंने मेट्रो और पुलिस अफसरों से कहा कि चलो बाहर निकलो, वरना मैं बदतमीजी करने लगूंगा।

उनकी मेट्रो के कब्रिस्तान में से अंडरग्राउंड रूट निकालने को लेकर नाराजगी थी। देर रात जब पता चला कि मेट्रो कॉरपोरेशन ने अधिकारी-कर्मचारी कब्रिस्तान के बाहर बेरिकेड्स लगा रहे और मशीनें लेकर पहुंचे तो वे मौके पर पहुंच गए।

उन्होंने मेट्रो और पुलिस अफसरों से सख्त लहजे में कहा कि कब्रिस्तान को छोड़कर मेट्रो का काम करें। यहां पर सामान लेकर कैसे आए? यह शाही कब्रिस्तान की प्रॉपर्टी है। क्या पहले जानकारी दी थी? या अनुमति है? पुलिस वाले सामने खड़े होकर कब्जा करवा रहे हैं। पहले शाही औकाफ से परमिशन लाना, फिर काम करना।



यह है मेट्रो का फेज-2

बता दें कि भोपाल में ऑरेंज लाइन के प्रायोरिटी कॉरिडोर सुभाषनगर से एम्स के बीच मेट्रो दौड़ रही है। अब दूसरे फेज के रूट यानी, सुभाषनगर से करोंद तक तेजी से काम चल रहा है। इसकी कुल लंबाई 16.74 किमी है। दूसरे फेस में सुभाषनगर से करोंद की कुल दूरी 9.74 किमी लंबा है, लेकिन 8.77 किमी में होगा। इसमें से 5.38 चढ़ हिस्से में 6 एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन बनेंगे, जिस पर 650 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इस काम की शुरुआत हो चुकी है।

पुल बोगदा, ऐशबाग, सिंधी कॉलोनी, डीआईजी बंगला, कृषि उपज मंडी और करोंद चौराहा पर स्टेशन बनेंगे। वहीं, बाकी 3.39 किलोमीटर रूट अंडरग्राउंड होगा। इसमें 2 मेट्रो स्टेशन भोपाल रेलवे स्टेशन व नादरा बस स्टैंड भी रहेंगे। यह पूरा काम 890 करोड़ रुपए में होगा। इसी रूट को लेकर आपत्ति दर्ज कराई गई है। मध्य प्रदेश राज्य वक्फ अधिकरण में सुनवाई भी चल रही है। जिसमें दोनों पक्ष अपना-अपना पक्ष रख रहे हैं।

बिना अनुमति कोई काम न करें

समाज के लोगों के साथ विधायक अकील ने कहा कि बिना वैधानिक अनुमति के कोई भी कार्य न किया जाए। सभी मशीनों व सामान को तुरंत मौके से हटाया जाए।

विधायक की यह आपत्ति

इस मामले में विधायक अकील का कहना है कि यहां हमारे बाप-दादा दफन है। कई कब्र हैं। इसलिए कब्रिस्तान में से मेट्रो कतई न गुजरे। वे पहले भी आपत्तियां लगा चुके हैं।

भोपाल में रितायर्ड आईएसएस हत्याकांड का राज खोलेगा टैटू, मोबाइल से दूरी बनाकर भाग रहा आरोपी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल में रितायर्ड आइएएस अधिकारी राकेश अग्रवाल हत्याकांड में फरार आरोपी वरुण कुमार तक पहुंचने के लिए पुलिस अब उसके गले पर बने बिच्छू के टैटू को अहम सुराग मान रही है। आरोपी मोबाइल का इस्तेमाल नहीं कर रहा है, ताकि पुलिस उसकी लोकेशन ट्रैक न कर सके। ऐसे में पुलिस उसके हुलिये, टैटू और फोटो के जरिए उसकी पहचान कराने की कोशिश कर रही है। टीम ने आरोपी की फोटो, शारीरिक हुलिये और पहचान से जुड़ी जानकारी को पांच राज्यों में लुकआउट नोटिस जारी किया है। मध्य प्रदेश के अलावा उत्तरप्रदेश, दिल्ली, पंजाब और राजस्थान में टीम उसकी तलाश कर रही है। संदिग्ध ठिकानों और संभावित भागने के रास्तों पर आरोपी के फोटो वाले पर्चे भी बांटे जा रहे हैं, ताकि आम लोग उसे पहचान कर पुलिस को सूचना दे सकें।

‘बिच्छू का टैटू’ बना वरुण की पहचान का अहम सुराग

दिल्ली में चेहरा कैमरे में आया, लेकिन लोकेशन नहीं मिली

वरुण कुमार की लोकेशन दिल्ली में फेस डिटेक्शन तकनीक के जरिए उसका चेहरा कैमरे में सामने आया था, लेकिन पुलिस अभी तक उसकी सटीक लोकेशन पता नहीं कर पाई है। इसके बाद दिल्ली और आसपास के इलाकों में भी निगरानी बढ़ाई गई है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शैलेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि आरोपी की तलाश में 15 पुलिस टीमें लगाई गई हैं। उसके रिश्तेदारों, दोस्तों और करीबी लोगों पर नजर रख रही है। हालांकि जांच में अभी तक ऐसा कोई प्रमाण नहीं मिला है कि भोपाल से भागने के बाद वरुण ने इनमें से किसी से संपर्क किया हो।

मोबाइल बंद कर भागने की आशंका

आरोपी मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं कर रहा है। ऐसा करने से उसका मोबाइल नेटवर्क और लोकेशन पुलिस की निगरानी में नहीं आ पाएगी। इसी वजह से पुलिस अब तकनीकी निगरानी के साथ-साथ फिजिकल पहचान, संभावित ठिकानों, रिश्तेदारों और परिचितों से पूछताछ पर ज्यादा निर्भर है। दिवंगत राकेश अग्रवाल को सोमवार को वार इमली स्थित ऑफिसर्स सैस में श्रद्धांजलि दी गई।

ऑटो कट इक्विपमेंट अब बिजली चोरी पर लगेगी लगाम

भोपाल। भोपाल में बिजली कंपनी 5,500 ट्रांसफॉर्मर पर ऑटो-कट सिस्टम लगाएगी, जिससे क्षमता से ज्यादा लोड आने पर ट्रांसफॉर्मर खुद बंद हो जाएगा और जलने से बचेगा। इस नई व्यवस्था का सबसे बड़ा असर उन इलाकों में देखने को मिलेगा जहां बिजली चोरी होती है या स्वीकृत लोड से ज्यादा बिजली का अनधिकृत इस्तेमाल किया जाता है। जिन क्षेत्रों में चोरी की बिजली से एसी या भारी मोटरें चलाई जाती हैं, वहां क्षमता से अधिक लोड आते ही ऑटो कट सिस्टम पूरे ट्रांसफॉर्मर की बिजली बंद कर देगा। जिससे पता चल जाएगा कि कहाँ बिजली चोरी हो रही है। बिजली कंपनी का कहना है कि इस व्यवस्था से बिजली चोरी पर लगाम लगेगी।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर आज 9.5 लाख बच्चे खाएंगे कृमिनाशक गोली

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के तहत 6 अक्टूबर को भोपाल में करीब साढ़े 9 लाख बच्चों को कृमिनाशक दवा एलबेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी। 1 से 19 साल तक के बच्चों को यह दवा शासकीय और निजी स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों, मदरसों और छात्रावासों में दी जाएगी। साथ ही 20 से 49 साल की ऐसी महिलाओं को भी एलबेंडाजोल खिलाई जाएगी, जो गर्भवती या धात्री नहीं हैं। स्वास्थ्य विभाग ने अभियान के लिए स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में एलबेंडाजोल की गोлияयां उपलब्ध करा दी हैं। स्कूलों में नोडल टीचर्स को दवा खिलाने की प्रक्रिया और इसके फायदे बताए गए हैं। बच्चों को नोडल टीचर की मौजूदगी में ही गोली खिलाई जाएगी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पेट में होने वाले कृमि संक्रमण से बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर असर पड़ सकता है। इससे स्कूल में उनकी उपस्थिति और पढ़ाई भी प्रभावित होती है। स्वास्थ्य, शिक्षा और महिला-बाल विकास विभाग मिलकर इस अभियान को चलाएंगे।

मुख्य सवाल- रियाज मंजिल का मालिकाना हक किसका?

पूरे विवाद में अब मुख्य सवाल रियाज मंजिल और खसरा नंबर 42 के विधिक स्वामित्व को लेकर है। इसके साथ ही यह भी स्पष्ट होना है कि आफताब जहां बेगम के स्वामित्व का आधार क्या था और 29 अप्रैल 2024 का प्रमाण-पत्र किन दस्तावेजों, जांच और सरकारी रिकॉर्ड के आधार पर जारी किया गया। प्रभावित पक्षों का कहना है कि इन सवालों का जवाब मूल सरकारी रिकॉर्ड और संबंधित दस्तावेजों की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। अब 6 अक्टूबर की सुनवाई में प्रशासन इन आपत्तियों और मूल रिकॉर्ड बुलाने की मांग पर क्या रुख अपनाता है, इस पर नजर रहेगी।

नवाब की अरबों की संपत्ति

आजादी के समय भोपाल के अंतिम नवाब हमीदुल्लाह खान की अरबों की प्रॉपर्टी पर बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान के साथ नवाब की तीसरी बेटी राबिया सुल्तान के वारिसों ने भी दावा किया है।



नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री



डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री

सीएम यूथ कॉन्क्लेव 2026

युवा सोच, नये अवसर, एक साझा मंच

प्रख्यात गायक
जुबिन नौटियाल
एवं कबीर कैफे बैंड
द्वारा
भव्य लाइव प्रस्तुति
प्रातः 10:00 बजे

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
के साथ

6 अक्टूबर, 2026 | पूर्वाह्न 11:00 बजे
लाल परेड ग्राउंड, भोपाल

**70+ स्टॉल, 15 विभागों
की संयुक्त भागीदारी**

युवाओं को अवसर, कौशल,
रोज़गार, नवाचार एवं
संभावनाओं से जोड़ने हेतु
समर्पित मंच

स्टार्टअप एवं उद्यमिता

युवा उद्यमियों के
फार्मास्युटिकल, मैनुफैक्चरिंग,
AI/मशीन लर्निंग और फूड
प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों के स्टार्टअप
की सहभागिता एवं प्रस्तुति

युवा नवाचार एवं प्रदर्शनी

AI, साइबर सिक्योरिटी, ड्रोन
टेक्नोलॉजी, विज्ञान एवं
नवाचार, कृषि क्षेत्र में रोज़गार,
फ्यूचर रेडी एजुकेशन और
टेक्नोलॉजी पर केन्द्रित

**सार्वजनिक एवं निजी
विश्वविद्यालयों की
सहभागिता**

विश्वविद्यालयों द्वारा कैरियर
मार्गदर्शन, नवाचार, उद्यमिता,
तकनीकी शिक्षा एवं रोज़गार के
अवसरों की जानकारी

**कैरियर एवं कौशल के
अवसर**

कौशल विकास, कैरियर
मार्गदर्शन और रोज़गार से जुड़ी
जानकारी एक ही स्थान पर

**शासकीय योजनाओं की
जानकारी**

पात्रता, पंजीयन, आवेदन
प्रक्रिया, प्रशिक्षण और उपलब्ध
सुविधाओं से संबंधित स्टॉल

सीधा प्रसारण

f @Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh

x @Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP

▶ jansamparkMP

D-11136/26

आवृत्ति : मंगलवार 06 अक्टूबर 2026

लोक कतंत्र में चुनाव केवल मतदान की प्रक्रिया नहीं, बल्कि मतदाता के भरोसे का भी विषय है। इसलिए चुनाव कराने वाली संवैधानिक संस्था के हर फैसले की पारदर्शिता और वैधानिकता का महत्व असाधारण है। चुनाव आयोग से जुड़े मौजूदा विवाद में सुप्रीम कोर्ट का ताजा रुख इसी बुनियादी सवाल की ओर ध्यान खींचता है।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ तत्काल निलंबन का अंतरिम आदेश देने से इनकार किया, लेकिन केंद्र और चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। याचिका में आरोप है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण फैसले अन्य चुनाव आयुक्तों की

सहमति के बिना लिए गए। अदालत ने यह जांचने की जरूरत बताई है कि आयोग के फैसले सर्वसम्मति या बहुमत से लिए गए थे या नहीं।

यहां सुप्रीम कोर्ट की सबसे महत्वपूर्ण टिप्पणी यह है कि यदि कोई निर्णय कानून के अनुरूप नहीं पाया गया तो उसे रद्द किया जा सकता है। इसका अर्थ यह नहीं कि अदालत ने अभी आयोग के किसी फैसले को अवैध घोषित कर दिया है। बल्कि अदालत ने रिकॉर्ड और आयोग का पक्ष देखने की प्रक्रिया शुरू की है। यही न्यायिक प्रक्रिया की मर्यादा भी है।

फॉर्म-6 के मामले में भी स्थिति महत्वपूर्ण है। चुनाव आयोग ने दावा किया था कि एसआईआर के दौरान फॉर्म-6 से जुड़े घोषणा-

मतदाता का भरोसा

पत्र को सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी मिली थी। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट ने किसी संशोधित फॉर्म-6 को मंजूरी नहीं दी है।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा संदेश किसी व्यक्ति या संस्था के पक्ष या विपक्ष में नहीं, बल्कि संवैधानिक व्यवस्था के पक्ष में है। चुनाव आयोग को संविधान और कानून ने महत्वपूर्ण अधिकार दिए हैं, लेकिन अधिकारों के साथ प्रक्रिया की जवाबदेही भी जुड़ी है। आयोग के तीनों सदस्यों वाली संस्था में निर्णय किस तरह लिए जाते हैं, इसका महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि मतदाता सूची में छेदा-सा बदलाव भी किसी नागरिक के मतदान के अधिकार को

प्रभावित कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट का रुख यह संकेत देता है कि चुनावी प्रक्रिया में न्यायिक निगरानी का उद्देश्य आयोग की स्वतंत्रता को कमजोर करना नहीं, बल्कि उसके संवैधानिक अधिकारों के प्रयोग को कानून की सीमा में सुनिश्चित करना है। दूसरी ओर आयोग के लिए भी यह अवसर है कि वह हर निर्णय की प्रक्रिया, आधार और रिकॉर्ड को सार्वजनिक जांच के सामने स्पष्ट करे।

आखिर चुनाव आयोग की विश्वसनीयता केवल उसके संवैधानिक दर्जे से नहीं बनती। वह मतदाता के इस विश्वास से बनती है कि मतदाता सूची से लेकर मतदान तक हर कदम नियमों के अनुसार और निष्पक्ष प्रक्रिया से उठाया गया है। सुप्रीम कोर्ट की मौजूदा सुनवाई इसी विश्वास की कसौटी को और स्पष्ट कर रही है।

एशियन गेम्स में दुनिया ने देखा भारत की नारी शक्ति का दम, भविष्य की प्रेरणा

निर्मला भूरिया

मंत्री मध्यप्रदेश शासन



एशियन गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश को 85 पदक दिलाए और पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। भारत के खते में 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक आए। इस उपलब्धि की सबसे गौरवपूर्ण तस्वीर यह है कि महिला खिलाड़ियों ने 38 पदक अपने नाम किए, जो पुरुष खिलाड़ियों के बराबर हैं। इनमें 11 स्वर्ण पदक महिला खिलाड़ियों और महिला टीमों ने जीते।

भारत की बेटियों का यह प्रदर्शन केवल खेल की उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह बदलते भारत और सशक्त होती नारी शक्ति की तस्वीर है। क्रिकेट में भारतीय महिला टीम ने स्वर्ण जीतकर देश का गौरव बढ़ाया, वहीं महिला कबड्डी और महिला हॉकी टीम ने भी स्वर्णिम सफलता हासिल की। महिला हॉकी टीम की स्वर्णिम वापसी विशेष रूप से ऐतिहासिक रही, जिसने 44 वर्ष बाद एशियन गेम्स का स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

एशियन गेम्स में भारतीय बेटियों की सफलता महिला सशक्तिकरण की सबसे प्रभावशाली तस्वीर है। आज हमारी बेटियां केवल खेल के मैदान में पदक नहीं जीत रहीं, बल्कि वे देश की करोड़ों बेटियों के सपनों को भी नई दिशा दे रही हैं। उनकी सफलता यह विश्वास मजबूत करती है कि बेटी को अवसर, प्रोत्साहन और विश्वास दिया जाए तो वह किसी भी क्षेत्र में सर्वोच्च शिखर तक पहुंच सकती है।

व्यक्तिगत स्पर्धाओं में भी भारतीय बेटियों ने नए इतिहास रचे। कुमकुम मोहोड ने महिला व्यक्तिगत रिकर्व में भारत के लिए पहला एशियन गेम्स स्वर्ण पदक जीता। महिला रिकर्व टीम ने भी स्वर्ण अपने नाम किया। निशानेबाजी में नीरू धांडा ने स्वर्ण पदक जीतकर शानदार उपलब्धि हासिल की। मुक्केबाजी में लवलीना बोरगोहेन और परवीन हुड्डा ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि गोल्फ में प्रणवी उर्स ने भारत के लिए ऐतिहासिक स्वर्ण पदक हासिल किया। मीराबाई चानू ने भारोत्तोलन में रजत पदक जीतकर भारत के लिए इस खेल में लंबे अंतराल के बाद पदक दिलाया।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि में मध्यप्रदेश की बेटियों ने भी अपनी प्रतिभा और मेहनत का परचम लहराया। प्रदेश की क्रिकेटर क्रांति गौड़ भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्वर्ण पदक विजेता टीम का हिस्सा बनीं। छोटे से गांव से निकलकर एशियन गेम्स जैसे बड़े अंतर्राष्ट्रीय मंच तक पहुंचकर स्वर्ण पदक जीतना उनकी मेहनत और संघर्ष की प्रेरक कहानी है। निशानेबाजी में मध्यप्रदेश की नीरू ढांडा ने असाधारण प्रदर्शन करते हुए महिला ट्रैप व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।



बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने तक की सोच अब जमीन पर दिखाई दे रही है। मध्यप्रदेश में भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास विभाग महिलाओं और बेटियों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

एशियन गेम्स की बेटियों की सफलता हमें यह संदेश देती है कि महिला सशक्तिकरण केवल योजनाओं और नारों तक सीमित नहीं है। सच्चा सशक्तिकरण तब है, जब बेटी अपने सपनों का रास्ता स्वयं चुन सके, अपनी प्रतिभा को पहचान सके और अपनी मेहनत के बल पर दुनिया के सामने अपनी पहचान बना सके। आज कुमकुम मोहोड, नीरू धांडा, लवलीना बोरगोहेन, परवीन हुड्डा, प्रणवी उर्स, मीराबाई चानू और भारतीय महिला टीमों की उपलब्धियां देश की हर बेटी को यह संदेश दे रही हैं-आसमान कोई सीमा नहीं है।

एशियन गेम्स में भारतीय बेटियों ने पदक जीतकर सिर्फ तिरंगा नहीं ऊंचा किया, बल्कि महिला सशक्तिकरण की नई इबारत भी लिखी है। यह उपलब्धियां आने वाली पीढ़ी की बेटियों के लिए प्रेरणा बनेंगी और उन्हें यह विश्वास देगी कि उनके सपनों को पूरा करने के लिए देश उनके साथ खड़ा है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

सैर करना शरीर को स्वस्थ रखने वाली सबसे आसान शारीरिक गतिविधियों में शामिल है। नियमित पैदल चलने से हृदय की सेहत, शरीर की सक्रियता और शारीरिक क्षमता बेहतर रखने में मदद मिल सकती है। लेकिन अगर रोज सैर करने के बाद घुटनों में हल्का दर्द, जकड़न या असहजता महसूस होने लगे तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसका मतलब यह जरूरी नहीं कि पैदल चलने से घुटने खराब हो रहे हैं। कई बार समस्या चलने की मात्रा, शरीर के वजन, मांसपेशियों की ताकत, जूते, चलने की जगह या अचानक बढ़ाई गई गतिविधि से



जुड़ी होती है।

पैदल चलते समय घुटने शरीर का वजन संभालते हैं और हर कदम के साथ जोड़ पर दबाव पड़ता है। एक अध्ययन में विशेष उपकरण वाले घुटना प्रत्यारोपण की मदद से रोजमर्रा की गतिविधियों के दौरान घुटने पर पड़ने वाले दबाव को मापा गया। इसमें समतल जमीन पर चलने के दौरान अधिकतम दबाव औसतन शरीर के वजन का करीब 2.6 गुना तक पाया गया। सीढ़ियां चढ़ने और उतरने में यह दबाव और बढ़ गया। हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि हर कदम घुटने को नुकसान

पहुंचाता है। शरीर की मांसपेशियां, उपास्थि, स्नायु और दूसरे ऊतक इस दबाव को संभालने और बांटने में मदद करते हैं। नियमित शारीरिक गतिविधि मांसपेशियों को मजबूत रखने और घुटनों की गति बनाए रखने में भी सहायक हो सकती है।मान लीजिए कोई व्यक्ति रोज 2 से 3 हजार कदम चलता है और अचानक 10 से 15 हजार कदम रोज चलना शुरू कर देता है। इससे घुटनों पर पड़ने वाला कुल भार अचानक कई गुना बढ़ जाता है।

शरीर का वजन भी बढ़ाता है दबाव: शरीर का वजन घुटनों पर पड़ने वाले दबाव को प्रभावित करता है। जॉन्स हॉपकिन्स के अनुसार प्रत्येक कदम के दौरान घुटने के जोड़ पर शरीर के वजन से कई गुना अधिक दबाव पड़ सकता है। शरीर के वजन में थोड़ी वृद्धि भी हजारों कदम चलने पर घुटनों के कुल भार को काफी बढ़ा देती है। अधिक

रोज सैर के बाद घुटनों में हल्का दर्द, एक्सपर्ट की सलाह लेना जरूरी

निशाना

रखी है दुश्मनी जिसने छिपाकर उसी से दोस्ताना चल रहा है



प्रदीप कश्यप

गुलों का मुस्कुराना चल रहा है। दुखों का यूँ छिपाना चल रहा है। जलाकर रात में दीपक अनेकों। अंधेरों का मिटाना चल रहा है। रखी है दुश्मनी जिसने छिपाकर उसी से दोस्ताना चल रहा है। हमें जिसने दिए दुख दर्द भारी। उसे हर सुख दिलाना चल रहा है। नहीं कौंटे हटाए हैं किसी ने। मगर गुल का खिलाना चल रहा है। जहाँ पर गुल खिले हैं दर्द सहकर। वहाँ मौसम सुहाना चल रहा है। छिपा कश्यप हकीकत खूब कड़वी। मधुर सपने दिखाना चल रहा है।

टेक्नो अपडेट

अब घर में ही बनेंगे बिजली सुरक्षित रखने की बैटरी, चीन ने तैयार किया खास सीमेंट

बिजली को सुरक्षित रखने के लिए अभी बड़ी बैटरियों की जरूरत पड़ती है। खासकर सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा से बनने वाली अतिरिक्त बिजली को बाद में इस्तेमाल करने के लिए बैटरी में जमा किया जाता है। लेकिन भविष्य में संभव है कि बिजली को रखने के लिए घरों में अलग से बड़ी बैटरियां लगाने की जरूरत ही न पड़े। चीन के शोधकर्ताओं ने ऐसा सीमेंट आधारित उपकरण विकसित किया है, जो इमारत को मजबूत बनाने के साथ बिजली जमा करने का काम भी कर सकता है।

चीन के हार्बिन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के शोधकर्ताओं ने सीमेंट से बना ऐसा सुपरकैपेसिटर तैयार किया है, जो ऊर्जा को अपने भीतर जमा कर सकता है और जरूरत पड़ने पर उसे वापस दे सकता है। इसकी खास बात यह है कि इसे त्रिआयामी मुद्रण यानी 3डी प्रिंटिंग तकनीक से भी तैयार किया जा सकता है। अगर इसका बड़े स्तर पर इस्तेमाल संभव हुआ तो इमारतों की नींव, दीवारें और सीढ़ियां भविष्य में ऊर्जा भंडारण का हिस्सा बन सकती हैं।

दीवारों और फर्श में जमा होगी बिजली: कल्पना कीजिए कि दिन में घर की छत पर लगे सौर पैनल से

अतिरिक्त बिजली बन रही है। सामान्य व्यवस्था में इस बिजली को बैटरी में जमा किया जाता है। नई तकनीक में यही काम घर के निर्माण में इस्तेमाल होने वाला विशेष सीमेंट आधारित ढांचा कर सकता है। दिन में जमा ऊर्जा को जरूरत पड़ने पर रात में रोशनी या दूसरे छोटे उपकरणों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

सुपरकैपेसिटर सामान्य बैटरियों से अलग तरीके से ऊर्जा जमा करते हैं। वे ऊर्जा को तेजी से जमा करने



और तेजी से छोड़ने की क्षमता रखते हैं। यही वजह है कि शोधकर्ता इन्हें भविष्य की इमारतों के साथ जोड़ने की संभावना तलाश रहे हैं।

सीमेंट में मिलाए कार्बन के बेहद छोटे कण: इस तकनीक को विकसित करने में शोधकर्ताओं के सामने बड़ी चुनौती थी। पहले बनाए गए सीमेंट आधारित ऊर्जा भंडारण उपकरण अपेक्षाकृत कमजोर थे और उनमें विद्युत आवेश को इधर-उधर ले जाने की प्रक्रिया धीमी थी। इससे ऊर्जा जमा करने और जरूरत पड़ने पर उसे वापस लेने की क्षमता सीमित रहती थी। इस समस्या को दूर करने के लिए शोधकर्ताओं ने नैनोट्यूब, कार्बन ब्लैक और सीमेंट को मिलाकर बिजली का अच्छे प्रवाह करने वाला विशेष मिश्रण तैयार किया।

पत्र को सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी मिली थी।

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट ने किसी संशोधित फॉर्म-6 को मंजूरी नहीं दी है।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा संदेश किसी व्यक्ति या संस्था के पक्ष या विपक्ष में नहीं, बल्कि संवैधानिक व्यवस्था के पक्ष में है। चुनाव आयोग को संविधान और कानून ने महत्वपूर्ण अधिकार दिए हैं, लेकिन अधिकारों के साथ प्रक्रिया की जवाबदेही भी जुड़ी है। आयोग के तीनों सदस्यों वाली संस्था में निर्णय किस तरह लिए जाते हैं, इसका महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि मतदाता सूची में छेदा-सा बदलाव भी किसी नागरिक के मतदान के अधिकार को

डॉ योगेन्द्र श्रीवास्तव

रतंभकार



फि लहाल अमेरिका में एआई से चलने वाले चैट बॉट से स्वास्थ्य सम्बन्धी मामलों में सलाह लेने का मामला काफी चर्चा में है क्योंकि ऐसे कई मामले सामने आये हैं जब घर बैठे चैट बॉट की सलाह पर भरोसा करके कई व्यक्तियों का स्वास्थ्य बिगड़ गया। जुलाई 2026 में फ्लोरिडा के एक पास्टर स्कॉट विटर्स ने अपनी लगातार बिगड़ती हालत में ओपन एआई कम्पनी के बॉट चैट जीपीटी की सलाह ली और वे मरते मरते बचे। पल्मोनरी एम्बोलिज्म के मरीज होने के बावजूद चैट जीपीटी उन्हें अस्पताल न जाने की सलाह देता रहा और भरोसा दिलाता रहा कि वे स्वस्थ हो जायेंगे। इस गफलत के लिये स्कॉट विटर्स ने ओपन एआई के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। इसी तरह अगस्त 2025 में एक 60 वर्षीय वृद्ध ने चैट जीपीटी की सलाह पर खाने नमक (सोडियम क्लोराइड) की मात्रा कम करने के लिये सोडियम बोमाइड का सेवन किया। तीन माह बाद बोमाइड के दुष्प्रभावों के कारण उक्त व्यक्ति की हालत बिगड़ गई और उसे अस्पताल में भर्ती होना पड़ा।

लेकिन सबसे दुःखद घटना सैन होजे के छात्र सैम नेल्सन के साथ हुई जिसमें चैट जीपीटी की सलाह पर कुछ वशोली दवाओं का सेवन करने से उसकी मृत्यु हो गयी। सैम की माँ द्वारा दायर मुकदमे की सुनवाई सैन फ्रांसिस्को की अदालत में जारी है। सैम 19 वर्ष का छात्र था जो अधिकांश युवाओं की तरह चैट जीपीटी से संगीत, होमवर्क जैसी दौगर बातचीत करता था। फिर उसने कुछ नशीली दवाओं के बारे में भी जानकारी ली और पूछा कि क्या क्राटम और जेनेक्स दवा को साथ लिया जा सकता है ! चैट जीपीटी ने उसे यह जानलेवा कॉम्बिनेशन लेने से मना नहीं किया और अंततः इनके साथ ही अल्कोहल का सेवन करने से सैम की मृत्यु हो गई। इन दुःखद दुर्घटनाओं से ज्यादा हैरान करने वाली बात यह है कि चैट जीपीटी बनाने वाली कम्पनी ओपन एआई ने सैम की मृत्यु पर खेद जरूर प्रकट किया मगर कहा कि वह पुराने मॉडल का उपयोग कर रहा था और नये मॉडल में यह कमियां दूर कर दी गयीं हैं। मुकदमों का अंजाम जो भी हो, चैट बॉट ने कई लोगों को गलत मेडीकल सलाह देकर इसके उपयोग पर बहस छेड़ दी है।

बॉट को शुरुआत में एक इंटरैक्टिव यानी संवादात्मक टूल के रूप में देखा जाता था जिसमें आम तौर पर लोग मनपसंद संगीत सुनने, अनुवाद करने, मौसम का हाल जानने आदि के लिये उपयोग में लाते थे। इसकी उपयोगिता के प्रति लोगों के रुझान को देखते हुये अब इसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके एक सॉफ्टवेयर एप की तरह बना दिया गया है जिसका उपयोग सीधे मोबाइल से ही किया जा सकता है। सबसे पहले अमेरिकी कम्पनी ओपन एआई ने चैट जीपीटी नाम से इसे विकसित किया और बाद में गूगल ने जैमिनी, माइक्रोसॉफ्ट ने कोपायलट तथा फेसबुक ने

मेटा एआई नाम से बनाया। विभिन्न आवेदनों, आलेखों और व्यावसायिक प्रपत्रों के लेखन, कई भाषाओं में दस्तावेजों के अनुवाद और सभी प्रकार की जानकारी अथवा परामर्श की क्षमता जैसे दैनिक उपयोग में अत्यन्त सुविधाजनक होने के कारण इस सबकी लोकप्रियता बढ़ती ही गयी और इसका उपयोग हर प्रकार की जानकारी, बातचीत और सलाह के लिये धड़कले से किया जा रहा है।

समस्या यह है कि एआई आधारित ऐसे एप को सर्वज्ञ मान लिया गया है जबकि ये उतनी ही जानकारी के आधार पर चलते हैं जितनी इनमें डाली गयी है। किसी मुकदमे की दरखास्त बनाने में, किसी कम्पनी की बेलेंस शीट का विश्लेषण करने में अथवा किसी लम्बे दस्तावेज की विवेचना करने में तो अवश्य ही बहुत सक्षम हैं परन्तु स्वास्थ्य सम्बन्धी सलाह देने में इनसे कई बार भीषण गलतियां हुई हैं जिनका उल्लेख लेख की शुरुआत में ही किया गया है। इसकी वजह यह है कि चैट बॉट को इस तरह विकसित किया गया है कि वह उपयोगकर्ता को कोई भी प्रॉडक्ट खरीदने के लिये प्रोत्साहित करे और निराशा के क्षणों में उससे उत्साहवर्धक बातचीत करके ढाढ़स बंधाये। इसीलिए पल्मोनरी एम्बोलिज्म के मरीज को अस्पताल जाने



की सलाह देने के बजाय कहता रहा कि आप ठीक हो जायेंगे। और सैम नेल्सन को भी यह चेतावनी नहीं दी कि वह जिन प्रॉडक्ट का उपयोग करना चाहता है वे हानिकारक हो सकते हैं।

ये सारी खबरें बेहद चिंताजनक हैं और कम्पनियों के वांछित सुधार के दाये के बावजूद यह नहीं कहा जा

सकता कि इस तरह के इंटरैक्टिव एप का उपयोग पूरी तरह सुरक्षित है। यह किसी उपयोगकर्ता के प्रश्न अथवा संवाद को उसकी परिस्थिति के अनुसार विश्लेषण करने में किसी इन्सान की तरह पारंगत हो ही नहीं सकता। सवाल यह है कि सिर्फ किताबी जानकारी के आधार ऐसी जानलेवा सलाह देने के लिये एक चैट बॉट को किसने अधिकृत किया है। एआई के निरन्तर विकसित होने के साथ इस मुद्दे पर सार्थक बहस जरूरी है कि बिना प्रशिक्षण अथवा लायसंस के चैट जीपीटी का मेडीकल सलाह देना उचित है या फिर अैतिक और गैरकानूनी। यद्यपि चैट बॉट को कानूनी दायरे में लाकर जानकारी का स्रोत बताने और निजी डेटा को प्रसारित न करने जैसी पाबंदियां अवश्य लगाई गयी हैं मगर अभी तक ऐसी कोई गाइडलाइंस या स्पष्ट नीति सामने नहीं आयी है जो चैट बॉट से बातचीत के दौरान आदान प्रदान की गयी विषय वस्तु (कंटेंट) की जिम्मेदारी और सीमा निर्धारित कर सके। अब यह बहुत जरूरी हो गया है कि सरकार और आईएमए जैसी सामाजिक संस्थाएँ सोशल मीडिया के माध्यम से जनता को चैट बॉट के खतरों के बारे में आगाह करें। मोबाइल पर अतिनिर्भर तथा आभासी दुनिया में डूबी युवा पीढ़ी के चैट बॉट के खतरों के बारे में जागरूकता फैलाना ज्यादा जरूरी है ताकि सैम नेल्सन जैसी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

अजब - गजब

28 अक्षरों वाला रेलवे स्टेशन, नाम बोलते हुए अटक जाती है जुबान

भारतीय रेलवे में कुछ स्टेशन अपनी खूबसूरती के लिए पहचाने जाते हैं, कुछ ऐतिहासिक महत्व के लिए और कुछ ऐसे भी हैं, जिनका नाम ही उन्हें खास बना देता है। आंध्र प्रदेश में तमिलनाडु की सीमा के पास स्थित एक रेलवे स्टेशन ऐसा ही है, जिसका नाम पहली बार पढ़ने या सुनने वाले के लिए किसी पहली से कम नहीं। इसका नाम है वेंकटरसिंहराजुवारीपेटा। करीब 28 अक्षरों वाला यह नाम इतना लंबा है कि इसे एक बार में पढ़ना और सही-सही बोलना भी चुनौती बन जाता है।

अंग्रेजी में इसका नाम: Venkatanarasimharajuvaripeta लिखा जाता है। पहली नजर में ऐसा लगता है जैसे कई अलग-अलग शब्दों को जोड़कर एक ही नाम बना दिया गया हो। हालांकि यह किसी मजाक या आधुनिक दौर में बनाया गया नाम नहीं है, बल्कि स्थानीय नामकरण और क्षेत्रीय परंपरा से जुड़ा हुआ है। स्टेशन आंध्र प्रदेश के दक्षिणी हिस्से में तमिलनाडु की सीमा के नजदीक स्थित है। यह दक्षिण रेलवे के महत्वपूर्ण रेल मार्ग से जुड़ा है। यात्रियों के लिए यह सामान्य रेलवे स्टेशन है, लेकिन अपने असाधारण रूप से लंबे नाम के कारण इसकी पहचान दूसरे स्टेशनों से अलग बन गई है।

आज रेलवे टिकट लेना पहले की तुलना में काफी आसान हो गया है। मोबाइल फोन या कंप्यूटर पर स्टेशन का नाम लिखकर खोजा जा सकता है। ऐसे में लंबे नाम की

समस्या कुछ कम हो जाती है। लेकिन जब पहली बार इस स्टेशन का नाम किसी यात्री के सामने आता है तो उसे सही वर्तनी याद रखना आसान नहीं होता।

खासकर अंग्रेजी में इसका पूरा नाम लिखना कई लोगों के लिए मुश्किल हो सकता है। एक अक्षर की गलती से भी सही स्टेशन खोजने में परेशानी हो सकती है। यही कारण है कि इंटरनेट पर इस स्टेशन का जिक्र होने पर लोग इसके नाम की लंबाई को लेकर अपनी हैरानी जाहिर करते रहते हैं। भारतीय रेलवे का नेटवर्क दुनिया के सबसे बड़े रेल नेटवर्कों में शामिल है। इसके हजारों स्टेशनों के नाम अलग-अलग भाषाओं, संस्कृतियों, स्थानों और ऐतिहासिक परंपराओं से जुड़े हैं। कहीं नाम बेहद छोटा है तो कहीं उसे बोलने में ही कई सेकंड लग जाते हैं।

वेंकटरसिंहराजुवारीपेटा इसी विविधता का एक दिलचस्प उदाहरण है। स्टेशन पर

पहुंचने वाले यात्रियों के लिए भले ही यह रोजमर्रा की रेल यात्रा का एक पड़ाव हो, लेकिन बाहर के लोगों के लिए इसका नाम ही कोतूहल पैदा करने के लिए काफी है।

नाम लंबा, कहानी दिलचस्प: इस स्टेशन की खासियत सिर्फ यह नहीं कि इसका नाम लंबा है। यह इस बात का भी उदाहरण है कि भारत में जगहों के नाम वहां की भाषा, संस्कृति और परंपराओं की कहानी अपने भीतर समेटे रहते हैं। इसलिए किसी नाम को सिर्फ कठिन या लंबा कहकर छोड़ देना उसकी पृष्ठभूमि को नजरअंदाज करना होगा।



वीडियो वायरल: वन विभाग ने ग्रामीणों से कहा सावधानी रखें

पिपरिया-पचमढ़ी मेन रोड पर चहलकदमी करते दिखा टाइगर



नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

पिपरिया-पचमढ़ी के बीच पगारा मुख्य मार्ग पर रविवार-सोमवार की दरमियानी रात एक टाइगर सड़क पर चहलकदमी करता दिखाई दिया। सड़क पर टाइगर को देखकर कई वाहन चालक रुक गए। इसका वीडियो सामने आया। पचमढ़ी जा रहे पर्यटकों ने टाइगर दिखाई देने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि वे पिपरिया से पचमढ़ी जा रहे थे। इसी दौरान पगारा की चढ़ाई पर सड़क पर टाइगर दिखाई दिया। सड़क पर कुछ देर घूमने के बाद टाइगर जंगल में चला गया। एसडीओ संजीव शर्मा ने बताया ग्रामीण इस मार्ग पर अलर्ट रहें।

न्यूज विंडो

कूनों में खुशखबरी...भारतीय मादा चीता केजेपी-21 ने 5 शावकों को दिया जन्म



इशोपुर। कूनों नेशनल पार्क में चीतों का कुनबा बड़ा हो गया। नामीबिया से लाई गई ज्वाला की बेटी भारतीय मादा चीता केजेपी-21 ने 5 शावकों को जन्म दिया है। इन शावकों का पिता बोत्सवाना से लाया गया एक नर चीता है। खास यह है कि अब कूनों में न केवल एक नई पीढ़ी के चीतों का जन्म हुआ है, बल्कि भारतीय मादा और बोत्सवानाी नर चीते से चीतों की नई वंशावली को भी बढ़ाया है। तकनीकी दृष्टि से कूनों के कुनबे की चीता आबादी में नई जेनेटिक वंशावली जुड़ रही है। केजेपी-21 तीसरी भारतीय मादा चीता है, जिसने कुनबा बढ़ाया है। अब कूनों में चीतों की संख्या 56 हो गई है, जिसमें 41 भारतीय हैं। इसके आवा 4 चीते गांधीसागर अभयारण्य में हैं।

अवैध क्लिनिक पर राजस्व-स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त कार्रवाई, क्लिनिक सील

गंजबासौदा। कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देश पर जिले में अवैध क्लीनिक चलाने वालों पर कार्रवाई की गई। राजस्व एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त दल ने ग्राम सिरनोटा में एक क्लीनिक पर कार्रवाई की। दल के निरीक्षण में क्लीनिक 5 मरीज मिले। क्लीनिक संचालक कोई वैध दस्तावेज नहीं दे सका। जांच के बाद संयुक्त दल ने पंचनामा तैयार कर क्लिनिक को सील कर दिया। साथ ही आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के तहत एफआईआर दर्ज कराने के लिए थाना प्रभारी त्योंदा को पत्र प्रेषित किया गया है। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार त्योंदा आनंद जैन, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीलेश गुर्जर, चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रमोद तिवारी एवं फार्मासिस्ट राहुल साहू मौजूद रहे। प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि अवैध रूप से संचालित चिकित्सा संस्थानों के विरुद्ध कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

सेवा स्मरण कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मन मोहा



तेंदूखेड़ा। नगर के शासकीय महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा स्मरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य शंकर सिंह ठाकुर ने की। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। उन्होंने सेवा जन भागीदारी योजनाओं एवं विकास पर नाटक का प्रस्तुतीकरण किया। छात्र-छात्राओं ने नाटक के माध्यम से जन जागरूकता का संदेश दिया। नाटक में विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं उनसे संबंधित कार्यों की विवेचना को बखूबी दिखाया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बीके कुशवाहा एवं खुशबू रावत ने नाटक की तैयारी योजनाओं एवं जन जागरूकता को ध्यान में रखकर कराई। मंच संचालन डॉ. सुनील गिरी ने किया। नाटक की प्रस्तुति में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता की कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के समस्त स्टाफ ने अपना सराहनीय योगदान प्रदान किया

अमर वीरांगना रानी दुर्गावती की जयंती पर ग्रामीणों ने किया नमन



तारादेही। गोंडवाना की रानी अमर वीरांगना रानी दुर्गावती की जन्म जयंती का कार्यक्रम ग्राम तारादेही में किया गया। इसमें तारादेही क्षेत्र के ग्रामीणों ने बड़ी तादाद में हिस्सा लिया। सभी ने वीरांगना दुर्गावती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद रानी दुर्गावती के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए जनमानस को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार रानी दुर्गावती ने कुशल रणनीति के साथ अपने राज्य का संचालन किया। जय आदिवासी युवा शक्ति जयस प्रदेश संगठन मंत्री श्रीकांत सिंह पोते ने बताया कि रानी दुर्गावती शौर्य,साहस और त्याग की प्रतीक हैं। इस दौरान वल्लू धुर्वे, गिरधारी परस्ते, रमेश पोते, शंकर धुर्वे,वलदेव उड्के,नरेश कुलस्ते, महेंद्र पोते, रामनरेश पोते, राजेश सिंह, हाकम मरकाम,हल्लू मरकाम, संतोष सौंग,नीतेश, कमलेश, शिवराज, व जयस कार्यकर्ता मौजूद थे।

एफएसएल जांच में राजू जाटव भूण का जैविक पिता नहीं निकला

बागेश्वर धाम में नाबालिग से दुष्कर्म मामले की जांच का दायरा बढ़ा, कोर्ट ने कहा- छतरपुर एसपी विशेष टीम बनाएं

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

हाईकोर्ट ने बागेश्वर धाम में 16 वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में जांच का दायरा बढ़ाते हुए छतरपुर एसपी को विशेष टीम गठित करने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस अजय कुमार निरंकारी की सिंगल बेंच ने राजू जाटव की दूसरी जमानत अर्जी निरस्त करते हुए टीम को यह पता लगाने के निर्देश दिए कि नाबालिग का यौन उत्पीड़न किसने किया और उसके गर्भ से मिले भ्रूण का जैविक पिता कौन है। जांच दो माह में पूरी करने को कहा गया है। प्रकरण में जांच के दौरान



नाबालिग करीब दो माह की गर्भवती मिली थी। गर्भपात के बाद भ्रूण सुरक्षित रखकर एफएसएल जांच कराई गई। रिपोर्ट में राजू जाटव को भ्रूण का जैविक पिता नहीं पाया गया। कोर्ट में नाबालिग ने राजू द्वारा दुष्कर्म किए जाने से इनकार किया, जबकि पुलिस के समक्ष दर्ज बयानों में उसने राजू पर बागेश्वर धाम में जबरन दुष्कर्म का आरोप लगाया था।

इधर- शास्त्री ने की अपील..अकेले न आए
इधर-तीन अक्टूबर की रात बागेश्वरधाम प्रमुख धीरेंद्र शास्त्री ने महिलाओं और माताओं से अकेले बागेश्वर धाम नहीं आने और अनजान लोगों और सेवादारों पर आंख मूंदकर भरोसा नहीं करने की अपील की। हालांकि उनकी अपील में इस घटना का उल्लेख नहीं था।

सड़क पर गड़टे और ढलान ने बढ़ाई परेशानी, ड्राइवर संभाल ही नहीं सका बस

भोपाल से बालाघाट जा रही बस सिवनी में पलटी; एक की मौत, कई घायल

सिवनी। दोपहर मेट्रो
सिवनी शहर से महज तीन किलोमीटर दूर छिंदवाड़ा-सिवनी नेशनल हाईवे में बम्होड़ी पेट्रोल पंप के पास भोपाल से बालाघाट जा रही यात्रियों से भरी सूत्र सेवा बस आज तड़के सड़क में गड़ढे और ढलान के कारण अनियंत्रित होकर पलट गई।

कोतवाली थाना क्षेत्र में हुई इस भीषण सड़क दुर्घटना में बस में नीचे दबने से एक यात्री की घटनास्थल पर दर्दनाक मौत हो गई। घटना के दौरान बस में 32 यात्री सवार थे। इनमें से 10 यात्रियों को सामान्य चोटें आई हैं। दुर्घटना सुबह लगभग 4:45 बजे की बताई जा रही है। सूत्र सेवा बस क्रमांक एमपी 04 पीए 3660 सिवनी पहुंचने से पहले दुर्घटना का शिकार हो गई। घटना के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई, सूचना मिलते ही डायल 112 के साथ ही कोतवाली, लखनवाड़ा और बंडोल थाना का पुलिस बल मौके पर पहुंचा और घायल यात्रियों को बस से बाहर निकालकर तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। बस के नीचे दबने से जिस व्यक्ति की मौत हुई, वह बालाघाट का रहने वाला है। हालांकि, अभी मृतक की पहचान नहीं हुई है। पहचान की कवाद की जा रही है। आसपास के थानों को तस्वीरें भेजी हैं।



ढलान पर संतुलन बिगड़ा..हो गया हादसा

दुर्घटना में 10 लोगों में से 5 यात्रियों को गंभीर चोटें हैं, जबकि अन्य पांच को सामान्य चोटें आई हैं। घटना के बाद सभी घायलों को तुरंत एंबुलेंस और अन्य साधनों से अस्पताल पहुंचाया गया है। बताया जा रहा है कि सूत्र सेवा बस में 21 बालाघाट, 5 वारासिवनी तथा 4 सिवनी के यात्री सवार थे। बस के पलटने का मुख्य कारण सड़क पर मौजूद एक गड़ढा और ढलान बताया जा रहा है। इसी गड़ढे के कारण बस का संतुलन बिगड़ गया और तेज रफ्तार बस पलट गई।



पुलिस कर रही जांच

कोतवाली टीआई सतीश तिवारी का कहना है कि भोपाल से बालाघाट जा रही यात्री तेज रफ्तार सूत्र सेवा बस के बम्होड़ी पेट्रोल पंप के पास हाईवे के गड़ढे और ढलान के कारण अनियंत्रित होकर पलटने से एक व्यक्ति की मौत हुई है। मृतक की पहचान की जा रही है। घायल यात्रियों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया है।

सड़क पर जगह-जगह गड़ढे

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर जगह-जगह गड़ढे हैं। इससे आए दिन बाइक सवार समेत अन्य लोग हादसे का शिकार हो रहे हैं। बस हादसे ने सड़क सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों की सड़क मरम्मत की मांग की है।

सेवा संकल्प अभियान में नरसिंहपुर के बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

राज्य स्तर पर चयनित बच्चों ने रचनात्मकता से जीता दिल



नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो
लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देश पर चल रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत राज्य स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन आज किया गया। सुबह 8 बजे भोपाल में हुए इस कार्यक्रम में जिला स्तर पर चयनित नरसिंहपुर जिले के 5 विद्यार्थियों ने चित्रकला और 1 विद्यार्थी ने भाषण प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। विद्यार्थियों के लिए कार्यक्रम स्थल शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अपनी प्रतिभा दिखाई। केआरवाई इंग्लिश स्कूल करेली की 7वीं कक्षा की परी गौतम ने परी गौतम, एमएलबी स्कूल नरसिंहपुर

की 12वीं की छात्रा मुस्कान चौधरी,सादीपनि स्कूल की 12वीं छात्रा प्रियंका मेहरा, रूक्मणी देवी पब्लिक स्कूल चावरपाटा की 9वीं की छात्रा काव्या नागरिया, आयुषी अहिरवार, कक्षा 12वीं गुरुकुलम इंटरनेशनल स्कूल, साईखेड़ा शुभ दीक्षित, कक्षा 11वीं शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, नरसिंहपुर ने अपनी रचनात्मकता दिखाई। उन्होंने अपने भाषण और चित्रकला के जरिए सभी का दिल जीत लिया। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय सहित उत्कृष्ट प्राचाय राजीव किशोर श्रीवास्तव, सी पी साहू,सेवा संकल्प अभियान जिला नोडल विक्रम शर्मा ने सभी को शुभकामनाएं दी हैं।

औबेदुल्लागंज: विधायक प्रतिनिधि ने खुद पर लगे आरोपों से किया इनकार

सरकारी भूमि की रजिस्ट्री के मामले में सड़क पर उतरी कांग्रेस, कहा-नप में विधायक प्रतिनिधि दे रहे दखल

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो
शासकीय भूमि को निजी लोगों के नाम रजिस्ट्री कराने व शासकीय कार्यों में कथित हस्तक्षेप के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस ने नगर परिषद कार्यालय का घेराव किया। उन्होंने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता जितेंद्र मिश्रा ने निकाय में जमीनों की बदरबांट-अनधिकृत लोगों द्वारा परिषद चलाने का आरोप लगाते जांच और कार्रवाई की मांग की। कहा, कांग्रेस पार्षद राजेश खटीक ने आरोप लगाया, विधायक प्रतिनिधि सोनू चौकसे अध्यक्ष के विशेषाधिकारों का हनन कर रहे हैं। सरकारी काम में हस्तक्षेप कर रहे हैं। इसे रोके।

प्रतिनिधि ने आरोप नकारे
सोनू चौकसे ने कांग्रेस के आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले पार्षद राजेश खटीक के परिजनों ने अर्जुन नगर स्थित 5 एकड़ जमीन बिना



दस्तावेजों के कई परिवारों को बेच दी, जिसकी भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने खटीक पर जान से मारने और शासकीय कार्यालय में आग लगाने की धमकी देने के आरोप पर पुलिस से कार्रवाई की मांग की। एसडीएम ने बताया कि शासकीय भूमि बेचने का मामला संज्ञान में आया है। उप-पंजीयक से इसके मूल दस्तावेज मांगे हैं। वहीं, सीएमओ ने सरकारी काम में विधायक प्रतिनिधि की दखल से इनकार किया है।

18 मांगें लेकर गंजबासौदा में भी सड़क पर उतरी कांग्रेस



गंजबासौदा। शहर की समस्याओं को लेकर युवा कांग्रेस ने प्रदेश महासचिव अपूर्व जैन के नेतृत्व में सीएम के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। इसमें मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी 18 मांगें उठाईं। मांगों में अघूरी व खराब सड़कों का निर्माण, पेयजल समस्या का निराकरण, नालियों में डाली गई पेयजल पाइप लाइनों को व्यवस्थित कराने व पर्याप्त स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की गई है। साथ ही बिजली की लाइन दुरुस्त करने और सोलर पैनल लगे उपभोक्ताओं के बिजली बिलों की शिकायतों का निराकरण कराने की मांग भी रखी गई। युवा कांग्रेस ने आवारा पशुओं की समस्या दूर करने,खंडहर भवनों में चल रहे स्कूलों के लिए नए भवन की मांग की है।

रतलाम: पुलिस ने आरोपी को भेजा जेल

नाबालिग को छेड़ा, आरोपी को पेड़ से बांधकर पीटा, वीडियो वायरल

रतलाम। दोपहर मेट्रो

जिले के ताल थाना क्षेत्र के ग्रामीण इलाके में 15 वर्षीय नाबालिग बालिका से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। घटना से आक्रोशित कुछ लोगों ने आरोपी युवक को एक पेड़ से रस्सी से बांधकर मारपीट की। इस मारपीट का किसी ने वीडियो बना लिया, जो अब वायरल हो रहा है। ताल थाना प्रभारी स्वराज डाबी ने बताया कि छेड़छाड़ के आरोप में पुलिस ने पाँक्सो एक्ट में केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।



पन्ना: गुनौर का मामला

आंबेडकर की प्रतिमा तोड़ी, गांव में आक्रोश धामनोट (धर)। दोपहर मेट्रो

गुनौर थाना अंतर्गत सहलवारा गांव में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा तोड़े जाने की घटना से ग्रामीणों में आक्रोश है। प्रतिमा क्षतिग्रस्त होने की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। देखते ही देखते घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने घटना पर नाराजगी जताते हुए कहा, डॉ. भीमराव आंबेडकर ने देशवासियों के लिए संविधान बनाया। उन्हें शिक्षा, सुरक्षा आजादी समेत जीने के मौलिक अधिकार की व्यवस्था की। उनकी ही प्रतिमा को नुकसान पहुंचाना बेहद गंभीर मामला है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल नई प्रतिमा स्थापित कराने तथा वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसी घटनाओं से सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो सकता है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

ग्रामीणों की नाराजगी को देखते हुए एहतियातन घटनास्थल पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से शांति बनाए रखने की अपील की। पुलिस जांच की जा रही है। आसपास के क्षेत्र में पूछताछ के साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि प्रतिमा को कब और किस लोगों ने क्षतिग्रस्त किया। ग्रामीणों की मांग है कि आरोपियों का जल्द पता लगाकर उन पर कड़ी कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही बाबा साहेब की नई प्रतिमा तत्काल लगाई जाए।

वन्यजीव संरक्षण में योगदान देने वालों को किया जाएगा सम्मानित

मंत्री राजपूत ने बताया कि चीतों को छोड़े जाने के बाद पुरस्कार वितरण कार्यक्रम भी होगा। इसमें वन्यजीव संरक्षण और संबंधित गतिविधियों में उल्लेखनीय योगदान देने वालों के लिए पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया जाएगा। बता दें, पूरे साल कई लोग वन मित्र के तौर पर जंगल की सुरक्षा में लगे रहते हैं। वे वन्य प्राणियों की रक्षा के लिए भी काम करते रहते हैं।

रिजर्व की महत्वपूर्ण जानकारी

- 1975 में बना है नौरादेही अभयारण्य।
- 2018 में बाघ और बाघिन का जोड़े को लाया गया।
- 2023 में अभयारण्य को टाइगर रिजर्व घोषित किया गया।
- 30 से ज्यादा बाघों के अभी रिजर्व में होने का अनुमान।
- 2339 वर्ग किमी- टाइगर रिजर्व का कुल क्षेत्रफल।
- 1414 वर्ग किमी कोर एरिया।
- 925 वर्ग किमी बफर एरिया।
- 3 जिलों में फैली हैं रिजर्व की सीमाएं।

न्यूज विंडो

गरबे के नाम पर ‘पार्टी’ नहीं, संस्कृति की गरिमा रहे कायम: बजरंग दल



धार। नवरात्रि के दौरान होने वाले निजी गरबा आयोजनों को लेकर बजरंग दल और हिंदू संगठनों ने धार्मिक एवं सांस्कृतिक गरिमा बनाए रखने की मांग की है। सोमवार रात पदाधिकारियों ने एसपी सचिन शर्मा के नाम का ज्ञापन नगर पुलिस अधीक्षक शशांक गुर्जर को सौंपा। ज्ञापन में निजी गरबा आयोजनों की निगरानी और नियमों के पालन की मांग की गई। संगठनों ने प्रचार पोस्टरों में ‘ऑन रेंट गरबा पार्टनर’ जैसे शब्दों के इस्तेमाल पर आपत्ति जताते हुए इसकी जांच और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की। उनका कहना है कि गरबा धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा से जुड़ा आयोजन है, इसलिए आयोजकों को इसकी गरिमा और सुरक्षा का विशेष स्थान रखना चाहिए। ज्ञापन में आयोजनों के लिए स्पष्ट गाइडलाइन जारी करने, पहचान पत्र के आधार पर प्रवेश, महिला पुलिस बल की तैनाती तथा अशोभनीय गतिविधियों, आपत्तिजनक गीतों, फूहड़ नृत्य, नशाखोरी और हुड़दंग पर प्रभावी रोक की मांग की गई। संगठनों ने नियमों का उल्लंघन होने पर कार्रवाई की मांग भी रखी।

ड्रॉइंग, भाषण से बच्चों ने दिया सड़क सुरक्षा का संदेश, यातायात नियमों की ली शपथ



गंजबासौदा। नवांकुर स्कूल में यातायात जागरूकता अभियान के तहत विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों की जानकारी दी गई। अभियान के दौरान बच्चों को हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग, यातायात संकेतों की पहचान तथा सड़क पार करते समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया गया। जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने यातायात नियमों पर आधारित ड्रॉइंग बनाकर सड़क सुरक्षा का संदेश दिया। बच्चों ने भाषण के माध्यम से भी यातायात नियमों के पालन की जरूरत बताई। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने यातायात नियमों का पालन करने की शपथ ली। यातायात प्रभारी निरपत सिंह लोधी ने कहा कि विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी देना जागरूकता अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। बच्चों में सड़क सुरक्षा के प्रति समझ विकसित होने से वे स्वयं सुरक्षित रहेंगे और अपने परिवार के सदस्यों को भी नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने कहा कि छोटी उम्र से यातायात नियमों की आदत विकसित करना सड़क हादसों को रोकने की दिशा में प्रभावी कदम है।

कांग्रेस : हरिनारायण थापक को मिली नई जिम्मेदारी, मधुसूदन यादव ने छोड़ा पद

नर्मदापुरम। जिला कांग्रेस संगठन में बदलाव करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता हरिनारायण थापक को जिला कांग्रेस संगठन मंत्री मनोनीत किया गया है। वहीं, जिला संगठन महासचिव की जिम्मेदारी संभाल रहे अधिवक्ता मधुसूदन यादव ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए पद से इस्तीफा दे दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, प्रदेश कांग्रेस संगठन प्रभारी संजय कामले, जिला कांग्रेस प्रभारी संजय शर्मा और प्रदेश कांग्रेस समन्वयक मानक अग्रवाल की सहमति से जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत ‘गुड्डु’ पांडेय ने थापक का मनोनयन किया। उनके मनोनयन पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बधाई दी। जिला अध्यक्ष पांडेय ने कहा कि थापक वरिष्ठ अधिवक्ता होने के साथ अनुभवी और सक्रिय कांग्रेस कार्यकर्ता हैं। संगठन के प्रति उनके अनुभव और निष्ठा को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके अनुभव से संगठन को गति देने और बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

स्वास्थ्य कारणों से यादव ने दिया इस्तीफा

मधुसूदन यादव ने जिला अध्यक्ष को भेजे त्यागपत्र में बताया कि 30 सितंबर को अचानक स्वास्थ्य खराब होने के बाद 2 अक्टूबर को भोपाल के बंसल अस्पताल में भर्ती हुए थे। 4 अक्टूबर को डिस्चार्ज होने के बाद भी उपचार जारी है। ऐसे में जिम्मेदारी निभा पाना संभव नहीं होने के कारण उन्होंने पद छोड़ने का निर्णय लिया। यादव ने कहा कि वे जीवनभर कांग्रेस की विचारधारा और पार्टी से जुड़े रहेंगे।

एसआईआर के बाद छूटे मतदाताओं को मिलेगा मौका, घर-घर पहुंचेंगे बीएलओ

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के लिए जिले में पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने विशेष अभियान चलाया जाएगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सोमेश मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे।

अभियान के तहत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। मतदान केंद्रवार ऐसे पात्र नागरिकों की पहचान कर उनके आवेदन लिए जाएंगे, जिनके नाम सूची में दर्ज नहीं हैं। एसआईआर के दौरान अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और डुलीकेट मतदाताओं की सूची का ग्राम पंचायत, निकाय और बीएलओ के माध्यम से दोबारा सत्यापन किया जाएगा।

युवाओं पर खास नजर

शैक्षणिक संस्थानों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में विशेष मतदाता पंजीयन शिविर लगाए जाएंगे। 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। हेल्प डेस्क, जागरूकता कार्यक्रम और स्वीप गतिविधियां भी होंगी। मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट की जानकारी भी अपडेट की जाएगी। अधिकारियों को जिम्मेदारी और समय-सीमा तय कर प्रतिदिन प्रगति रिपोर्ट भेजने तथा प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में हेल्प डेस्क स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं।

दोपहर मेट्रो

इंदौर : फ्लाइओवर की बाउंड्री पर ‘खूबसूरती’ के गमले, नीचे राहगीरों की जान का खतरा



इंदौर। शहर के भंवरकुआं और फूटी कोठी फ्लाइओवर की बाउंड्रीवाल पर रखे भारी गमले हादसे का कारण बन सकते हैं। 50 से 100 फीट की ऊंचाई पर बिना सुरक्षा इंतजाम रखे गमले तेज हवा, आंधी या वाहन की टक्कर से नीचे गिर सकते हैं। कुछ दिन पहले भंवरकुआं फ्लाइओवर का एक गमला अंदर की ओर गिर चुका है। जूनी इंदौर में कार की टक्कर से डिवाइडर पर रखे गमले टूटने की घटना भी हो चुकी है। रहवासियों ने गमले हटाने या मजबूत स्टैंड से सुरक्षित करने की मांग की है। उद्यान प्रभारी शांतिलाल यादव ने बताया कि पानी देते समय मिट्टीयुक्त पानी गिरने की शिकायतों के बाद बीच वाले हिस्से से गमले हटाए जाएंगे।

झोपड़ी में ले जाने का आरोप, पुलिस ने पॉक्सो में गिरफ्तार भेजा जेल

छात्रा से छेड़छाड़ के आरोप में गेस्ट टीचर को पेड़ से बांधकर पीटा, वीडियो वायरल

रतलाम। दोपहर मेट्रो

ताल थाना क्षेत्र में नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ के आरोप में ग्रामीणों ने अतिथि शिक्षक योगेंद्र जाटव को पकड़कर पेड़ से बांध दिया और उसके साथ मारपीट की। घटना का वीडियो मंगलवार को सामने आया, जिसमें कुछ लोग शिक्षक को चाटे और रस्सी से पीटते नजर आ रहे हैं। शिक्षक रोते हुए छेड़ने की गुहार लगाता रहा। घटना 3 अक्टूबर की बताई जा रही है।

ग्रामीणों के अनुसार, योगेंद्र ने नाबालिग छात्रा को बहाने से बुलाया और उसे झोपड़ी में ले गया, जहां छेड़छाड़ करने का आरोप है। छात्रा के शोर मचाने पर उसके स्वजन मौके पर पहुंचे और शिक्षक को पकड़ लिया। सूचना पर पुलिस पहुंची और उसे ग्रामीणों से छुड़ाया। 21 वर्षीय योगेंद्र मूल रूप से पुराना जिले का रहने वाला है।

वह रतलाम के खारवाकला में किराये से रहकर पिपल्या तुखार के शासकीय प्राथमिक स्कूल में अतिथि शिक्षक था। छात्रा के स्वजन की शिकायत पर उसके खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत अन्य



शिक्षक की शिकायत में मारपीट का आरोप

योगेंद्र जाटव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 3 अक्टूबर को दोपहर करीब 1.30 बजे स्कूल से लंच के दौरान अपनी पहचान की लड़की से मिलने गया था। करीब 2.45 बजे खारवा की एक कोठड़ी के पास दो लोगों ने उसे रोक लिया। दोनों ने गाली-गलौज करते हुए गांव की लड़की से मिलने आने का

कारण पूछा। विरोध करने पर एक व्यक्ति ने लकड़ी और दूसरे ने रस्सी से मारपीट की। आरोपियों ने दोबारा गांव की किसी लड़की से मिलने आने पर जान से खत्म करने की धमकी भी दी। शिक्षक ने दोनों को पहचानने से इनकार किया है। पुलिस ने उसकी शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

धाराओं में केस दर्ज किया गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया।

इधर, शिक्षक ने भी ताल थाने में मारपीट और धमकी की

शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि दो लोगों ने लकड़ी और रस्सी से उसे पीटा। पुलिस ने अज्ञात लोगों पर केस दर्ज कर वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान शुरू कर दी है।

कपास-गराड़ की आड़ में गांजे की खेती का खुलासा, 229 पौधे जब्त

170 किलो गांजा और 20 लाख का माल बरामद

धार/मनावर। दोपहर मेट्रो

मादक पदार्थों की अवैध खेती के खिलाफ मनावर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम उकाला में तीन अलग-अलग खेतों से गांजे के 229 हरे पौधे जब्त किए। पुलिस के अनुसार जब्त गांजे का कुल वजन करीब 170 किलोग्राम है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 20 लाख रुपए बताई गई है। कार्रवाई के दौरान खेत मालिक बताए जा रहे तीन आरोपी मौके से फरार हो गए।

पुलिस को सूचना मिली थी कि उकाला में कपास और गराड़ की फसल के बीच गांजे की अवैध खेती की जा रही है। सूचना की पुष्टि के बाद थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश यादव के नेतृत्व में तीन टीमों मिली की गई। 4 अक्टूबर को टीमों ने एक साथ तीन खेतों में दबिश दी। पहली कार्रवाई में तेरसिंह पिता किडिया डामोर के कपास के खेत से 29 पौधे जब्त किए गए, जिनका वजन करीब 91 किलो बताया गया। कैलाश पिता कुका के कपास के खेत से 90 पौधे और करीब 12



किलो गांजा बरामद हुआ। वहीं वीरसिंह पिता दौला के गराड़ के खेत से 110 पौधे मिले, जिनका वजन करीब 67 किलो था। तीनों मामलों में थाना मनावर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए गए हैं। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश कर रही है। गिरफ्तारी के बाद खेती और संभावित सप्लाई नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जाएगी।

नागदा फाटा और सरदारपुर क्षेत्र में कार्रवाई रात के अंधेरे में लकड़ी का अवैध खेल, वन विभाग ने 3 वाहन पकड़े

धार। दोपहर मेट्रो

वन विभाग ने रात्रि गश्त के दौरान अवैध रूप से परिवहन की जा रही जलाऊ लकड़ी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन वाहन जब्त किए हैं। इनमें दो वाहनों से जलाऊ प्रजाति की ताजा लकड़ी के गुटके, जबकि सरदारपुर क्षेत्र में पकड़े गए ट्रक से नीम की लकड़ी बरामद हुई। तीनों वाहनों के चालकों से लकड़ी के परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वे दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके।

डीएफओ विजयानथम टीआर ने बताया कि नागदा फाटा पर जांच के दौरान दो सदिग्ध वाहनों को रोककर तलाशी ली गई थी। इनमें जलाऊ प्रजाति के ताजे गुटके मिले। रात अधिक होने के कारण मौके पर जब्ती की कार्रवाई कर दोनों वाहनों को रेशम केंद्र धार लाया गया। इनके खिलाफ मध्यप्रदेश अभिवहन वनोपज परिवहन नियम 2022 के



तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई है। इसी दौरान सरदारपुर क्षेत्र में इंदौर-अहमदाबाद हाईवे पर एक ट्रक की जांच में नीम की लकड़ी मिली। चालक द्वारा परिवहन संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर वाहन जब्त कर प्रकरण दर्ज किया गया। अधिकारियों ने बताया कि लकड़ी के स्रोत और परिवहन को लेकर वाहन चालकों से पूछताछ की जा रही है। कार्रवाई में वन विभाग की टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मेट्रो एंकर एक महीने से स्तूप, माची क्षेत्र में था मूवमेंट, स्थानीय लोगों ने ली राहत की सांस

20 दिन की निगरानी के बाद पिंजरे में कैद हुआ तेंदुआ

रायसेन। दोपहर मेट्रो

विश्व धरोहर स्थल सांची की पहाड़ी और माची क्षेत्र में करीब एक महीने से घूम रहे तेंदुए को वन विभाग ने सोमवार देर रात पिंजरे में कैद कर लिया। इसके बाद स्थानीय लोगों और पर्यटकों ने राहत की सांस ली। क्षेत्र में तेंदुए की लगातार मौजूदगी के कारण सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई थी।

वन विभाग के एसडीओ रजनीश कुमार शुक्ला ने बताया कि तेंदुए को पकड़ने के लिए करीब 20 दिन पहले दो पिंजरे लगाए गए थे। निगरानी के लिए दो विशेष टीमें तैनात की गई थीं। एक टीम दिन में पहाड़ी क्षेत्र में गश्त करती थी, जबकि दूसरी टीम रातभर पिंजरों के आसपास



निगरानी रखती थी। लगातार निगरानी और रणनीति के बाद सोमवार रात तेंदुआ पिंजरे में फंस गया। पिंजरे में मांस रखा गया था, जिसके झांसे में आकर तेंदुआ अंदर पहुंचा। पकड़े जाने के बाद वन विभाग की टीम ने तेंदुए का स्वास्थ्य परीक्षण कराया। इसके

बाद उसे सुरक्षित वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल भेज दिया गया। विभाग के अनुसार आगे उसे उपयुक्त वन क्षेत्र में छोड़ा जाएगा। अधिकारियों ने लोगों से पहाड़ी क्षेत्र में अकेले नहीं जाने और वन्यजीव दिखाई देने पर तत्काल विभाग को सूचना देने की अपील की है।

दो टीमों ने दिन-रात रखी तेंदुए पर नजर

तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग ने करीब 20 दिन पहले सांची पहाड़ी क्षेत्र में दो पिंजरे लगाए थे। इसके साथ ही दो विशेष टीमों को निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई। एक टीम दिन में जंगल और पहाड़ी क्षेत्र में गश्त करती थी, जबकि दूसरी टीम रात के समय पिंजरों के आसपास नजर रखती थी। तेंदुए की लगातार मूवमेंट पर नजर रखते हुए विभाग ने उसके आने-जाने के संभावित स्थानों को चिह्नित किया। सोमवार रात पिंजरे में मांस रखा गया। इसकी गंध से तेंदुआ पिंजरे तक पहुंचा और अंदर जाते ही कैद हो गया। स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उसे वन विहार भेज दिया गया।

जाहिर सूचना

मैं सरमन साहू सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ। कि मेरे बेटे के आधार कार्ड में त्रुटि बस अनिल ANIL दर्ज हो गया है। किंतु मेरे बेटे का सही नाम वीरेंद्र साहू VEERENDRA SAHU है। जो कि उसके सभी दस्तावेज में है। अतः अब राजनप्र प्रकाशन के उपरांत मुझे सही नाम वीरेंद्र साहू VEERENDRA SAHU से ही जाना, पहचाना जाए। पता gram chhri purva balkaura post balkaura vtc balkaura po balkora sub districta lallundi district chhatarpur MADHYA PRADESH 471525।

वैभव को लेकर गंभीर का बड़ा बयान बोले- प्रतिभा के बावजूद हर खिलाड़ी को करना पड़ता है मौके का इंतजार

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के साथ हुई बातचीत का खुलासा करते हुए कहा है कि शानदार फॉर्म और प्रतिभा के बावजूद किसी खिलाड़ी को कई बार अपने मौके का इंतजार करना पड़ता है। गंभीर ने स्पष्ट किया कि टीम की प्लेइंग इलेवन का फैसला सोशल मीडिया या बाहरी चर्चाओं के आधार पर नहीं, बल्कि टीम संयोजन, खिलाड़ियों के प्रदर्शन और मैच जिताने की क्षमता को ध्यान में रखकर किया जाता है।

गौतम गंभीर ने 'जियोस्टार' से बातचीत में बताया कि वैभव के साथ इस विषय पर उनकी बात हुई थी। गंभीर के मुताबिक, उन्होंने युवा बल्लेबाज को समझाया कि टीम में लंबे समय से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे खिलाड़ियों की मौजूदगी में कभी-कभी प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी को भी अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि प्लेइंग इलेवन का चयन बाहर की चर्चाओं से प्रभावित नहीं होता। टीम प्रबंधन यह देखता है कि मौजूदा परिस्थितियों में कौन सा संयोजन टीम को मैच जिताने की सबसे बेहतर स्थिति में रख सकता है। गंभीर ने टीम चयन के पीछे की चुनौती को समझाते हुए कहा कि यदि वैभव को मौका देने के लिए ऐसे खिलाड़ी को बाहर किया जाता है, जिसने लंबे समय तक अच्छा प्रदर्शन किया है, तो ड्रेसिंग रूम में बातचीत मुश्किल हो सकती है। उन्होंने अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन का उदाहरण देते हुए कहा कि लगातार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को अचानक बाहर नहीं किया जा सकता।

चोटों ने रोकी पोटापोवा की रफ्तार

करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग के बाद 2026 सीजन किया खत्म

नई दिल्ली। रूस की टेनिस स्टार अनास्तासिया पोटापोवा ने चोटों और फिटनेस संबंधी परेशानियों के बीच अपना 2026 सीजन समय से पहले समाप्त करने का फैसला किया है। दुनिया की 25वें नंबर की खिलाड़ी ने कहा कि उनका शरीर लगातार आराम करने का संकेत दे रहा था। ऐसे में उन्होंने आगे के मुकाबलों में हिस्सा लेने के बजाय पूरी तरह रिकवरी पर ध्यान देने का निर्णय लिया है। पोटापोवा अब नए सीजन में पूरी तरह फिट होकर वापसी की तैयारी करेंगी।

पोटापोवा ने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैसले की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि हाल के दिनों में उनका शरीर बार-बार उन्हें रुकने और आराम करने का संकेत दे रहा था। खिलाड़ी ने कहा कि उनके लिए यह साफ संकेत है कि अब ब्रेक लेकर शरीर को जरूरी समय देना चाहिए, ताकि वह मजबूती के साथ कोर्ट पर लौट सकें। उन्होंने अपने सदेश के अंत में 2027 में दोबारा मिलने की बात कही। पोटापोवा का यह फैसला बीजिंग टूर्नामेंट से हटने के कुछ दिन बाद आया है, जहां वह दाहिने कंधे की चोट के कारण सिन्जा क्रॉस के खिलाफ पहले दौर का मुकाबला नहीं खेल सकी थीं। पोटापोवा के लिए 2026 का सीजन कई मायनों में ख़ास रहा।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

‘बिग बॉस 20’ से बाहर आने के बाद ईशा रिखी का छलका दर्द, बोलीं-

पंजाबी अभिनेत्री ईशा रिखी इन दिनों ‘बिग बॉस 20’ से बाहर आने के बाद चर्चा में हैं। शो से एलिमिनेशन के बाद अभिनेत्री ने अपने सफर, घर के सदस्यों के साथ रिश्तों और माही के साथ हुए विवाद को लेकर खुलकर अपनी बात रखी। ईशा का कहना है कि उन्हें शो में पर्याप्त समय नहीं मिला, जिसके कारण दर्शक उनकी पूरी पर्सनैलिटी को समझ नहीं पाए।

ईशा रिखी ने कहा कि अगर वह शो में कुछ और दिन रह पातीं तो दर्शकों को उनके व्यक्तित्व के कई और पहलू देखने को मिलते। उनके मुताबिक, घर के अधिकांश सदस्यों के साथ उनके अच्छे संबंध थे। उन्होंने बताया कि घर में कुल 16 सदस्य थे, जिनमें करीब 14

मुंबई। बंदिश बैंडिट्स के दोनों सीजन में तमन्ना शर्मा के किरदार से दर्शकों का ध्यान खींचने वाली अभिनेत्री श्रेया चौधरी अब बड़े पर्दे पर एक नई शुरुआत करने जा रही हैं। ख़ास बात यह है कि उनका यह थिएट्रिकल डेब्यू आयुष्मान खुराना के साथ होगा। श्रेया और आयुष्मान जल्द ही फिल्म मुपापा में स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे, जो 19 फरवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। मुपापा में श्रेया के किरदार और कहानी को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। मेकर्स ने फिल्म से जुड़ी ज्यादातर डिटेल्स को अभी सीक्रेट रखा है। ऐसे में श्रेया और आयुष्मान की जोड़ी को किस तरह की कहानी में दिखाया

न्यूजीलैंड दौरे पर टीम इंडिया में बड़े बदलाव के संकेत, चयन समिति में भी नया चेहरा टेस्ट में मुकेश की होगी वापसी, आकाश को भी मिल सकता है मौका

नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के न्यूजीलैंड दौरे को लेकर हलचल तेज हो गई है। टीम इंडिया को इस महीने के आखिर में न्यूजीलैंड का दौरा करना है, जहां पांच टी20, पांच वनडे और दो टेस्ट मैचों की लंबी श्रृंखला खेली जाएगी। दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान इसी सप्ताह होने की उम्मीद है। टीम चयन से पहले कई खिलाड़ियों की वापसी और नए चेहरों को मौका दिए जाने की चर्चा तेज हो गई है।

भारतीय टीम के चयन से पहले सबसे बड़ा सवाल चयन समिति को लेकर है। मुख्य चयनकर्ता अजीत आगरकर का कार्यकाल 4 अक्टूबर को समाप्त हो चुका है, लेकिन भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने अब तक उनके उत्तराधिकारी का ऐलान नहीं किया है। ऐसे में नए चयनकर्ता की नियुक्ति होने तक वरिष्ठ पुरुष चयन समिति चार सदस्यों के साथ ही काम कर सकती है। मीडिया रिपोर्टों

के मुताबिक, पूर्व भारतीय स्पिनर प्रज्ञान ओझा इस चयन बैठक की कमान संभाल सकते हैं। हालांकि यह व्यवस्था कितने समय के लिए होगी, इसे लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। इसके बावजूद न्यूजीलैंड दौरे के लिए सभी प्रारूपों की मजबूत टीम घोषित किए जाने की संभावना है।

सीनियर खिलाड़ियों की होगी वापसी- न्यूजीलैंड दौरे की टीम में कई अनुभवी खिलाड़ियों की वापसी की उम्मीद है। वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई वनडे श्रृंखला के बाद कप्तान शुभमन गिल ने भी संकेत दिए थे कि आगामी मुकाबलों में सभी प्रमुख खिलाड़ी उपलब्ध रहें तो टीम को फायदा होगा। ऐसे में सीमित ओवरों की टीम में प्रमुख खिलाड़ियों की वापसी लगभग तय मानी जा रही है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच टी20 और पांच वनडे मैच भारतीय टीम के लिए अगले बड़े लक्ष्य की तैयारी का अहम हिस्सा होंगे।

होलकर में पिच की ‘साइंस’ पर जोर, घास की जड़ें भी निभाती हैं अहम भूमिका

200 से 750 किलो तक के रोलर से तैयार होगी भारत-वेस्टइंडीज भिड़ंत की जमीन

इंदौर, दोपहर मेट्रो

11 अक्टूबर को होलकर स्टेडियम में भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले टी-20 मुकाबले को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इस बार मैदान की पिच को तैयार करने के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। पहली बार यहां 200, 500 और 750 किलोग्राम वजन वाले तीन आधुनिक रोलर उपलब्ध कराए गए हैं। पुराने हाथ से चलने वाले रोलर की तुलना में इनका आकार बड़ा है और वजन का वितरण भी अलग तरीके से किया गया है। चेन्नई से इंदौर लाए गए इन रोलर के इस्तेमाल का फैसला पिच की नमी, मिट्टी की स्थिति और मौसम को देखकर किया जाएगा।

सिर्फ भारी रोलर से नहीं बनती बेहतर पिच

क्रिकेट में लंबे समय तक यह माना जाता रहा कि भारी रोलर चलाने से पिच ज्यादा सख्त होती है और बल्लेबाजों के लिए बेहतर सतह तैयार होती है। लेकिन आधुनिक पिच विज्ञान ने इस सोच को काफी हद तक बदल दिया है। पिच पर रोलर का दबाव कितना हो, यह मिट्टी की नमी और उसकी संरचना पर निर्भर करता है। यदि पिच में नमी ज्यादा है और उस पर जरूरत से ज्यादा दबाव डाल दिया जाए तो सतह की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। वहीं, नमी कम होने पर रोलिंग का प्रभाव अलग हो सकता है। इसलिए पिच तैयार करने वालों के लिए अब सिर्फ रोलर का वजन नहीं, बल्कि सही समय और सही दबाव भी महत्वपूर्ण हो गया है। पिच की तैयारी में घास को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिच पर मौजूद घास की जड़ें मिट्टी के भीतर नमी को खींचने में मदद करती हैं।



रोलर का काम सिर्फ मिट्टी दबाना नहीं

आधुनिक पिच तैयारी में रोलर का उद्देश्य केवल मिट्टी को दबाकर सतह को सख्त करना नहीं रह गया है। खिलाड़ियों की आवाजाही, मौसम में बदलाव और नमी के कारण पिच की सतह में छेद-छोटे बदलाव आ सकते हैं। रोलिंग के जरिए इन बदलावों को नियंत्रित करने की कोशिश की जाती है। पिच के किसी हिस्से की कठोरता दूसरे हिस्से से अलग होने पर गेंद के उछाल में अंतर आ सकता है। इससे बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों के प्रदर्शन पर असर पड़ता

है। ऐसे में अलग-अलग वजन वाले रोलर पिच को जरूरत के मुताबिक तैयार करने का विकल्प देते हैं। होलकर स्टेडियम में इस बार 200, 500 और 750 किलोग्राम के तीन रोलर उपलब्ध हैं। इनमें से किसका इस्तेमाल करना है, यह मैदान की स्थिति और मौसम के आधार पर तय किया जाएगा। ख़ास बात यह है कि इन रोलर में केवल वजन का अंतर नहीं है, बल्कि वजन का वितरण भी पुराने हाथ से चलने वाले रोलर से अलग है।

क्रिकेट बोर्ड के निर्देश पर चेन्नई से आए रोलर

मध्यप्रदेश क्रिकेट संघ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहित पंडित के अनुसार, ये पुराने हाथ से चलने वाले रोलर की तुलना में नई तकनीक का हिस्सा हैं। इनके वजन का वितरण अलग तरीके से किया गया है, जिससे पिच तैयार करने में मदद मिल सकती है। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के निर्देश के बाद इन्हें चेन्नई से इंदौर मंगाया गया है। पिच की तैयारी में मौसम सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है। तापमान, नमी, बारिश और मिट्टी की मौजूदा स्थिति के अनुसार रोलिंग का तरीका बदल सकता है।



मेट्रो बाजार

मुंबई। लार्सन एंड टुब्रो ने कहा कि उसके पावर ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन के इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन के कई ऑर्डर मिले हैं। ये ऑर्डर कंपनी की ‘मेगा’ श्रेणी में आते हैं और इनका मूल्य 15,000 करोड़ रुपये तक है। कंपनी ने बीएसई पर एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि इन ऑर्डरों का उद्देश्य बिजली ट्रांसमिशन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और नवीकरणीय ऊर्जा को

एलएंडटी को भारत और विदेशों में 15,000 करोड़ रुपये तक के पावर ट्रांसमिशन ऑर्डर मिले

निकासी के लिए आवश्यक ढांचा तैयार करना है। कंपनी ने बताया कि सऊदी अरब में एलएंडटी को 380 केवी ट्रांसमिशन और सबस्टेशन सेगमेंट में ऑर्डर मिले हैं। इसके अलावा, ये परियोजनाएं ट्रांसमिशन क्षमता बढ़ाने और नवीकरणीय ऊर्जा की निकासी में मदद करेंगी, जिससे देश के बिजली ट्रांसमिशन नेटवर्क को मजबूत करने में सहायता मिलेगी। संयुक्त अरब अमीरात में कंपनी को 132/11 केवी सबस्टेशन बनाने और उससे जुड़े केबलिंग कार्यों का ऑर्डर मिला है। भारत में कंपनी को

एक प्रमुख निजी क्षेत्र के डेवलपर से विशाखापत्तनम में ट्रांसमिशन सिस्टम स्थापित करने का ऑर्डर मिला है। इसमें ट्रांसमिशन लाइनें और सबस्टेशन शामिल हैं। एलएंडटी में पीटीएंडडी के कार्यकारी उपाध्यक्ष और प्रमुख जोड़ी सेबेस्टियन ने कहा, “ये ऑर्डर पीटीएंडडी की इंजीनियरिंग और परियोजनाओं को पूरा करने की क्षमताओं की व्यापकता तथा विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में जटिल बिजली बुनियादी ढांचा समाधान उपलब्ध कराने की क्षमता को दर्शाते हैं।”

विमान से सफर करना होगा महंगा, इंडिगो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर बढ़ाएगा फ्यूल चार्ज

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने सोमवार को ऐलान किया कि वह एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में वृद्धि के कारण घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर फ्यूल चार्ज में इजाफा करने जा रही है। एयरलाइन की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह बढ़ोतरी मंगलवार से बुक होने वाली उसकी सभी उड़ानों पर लागू होगी।

एयरलाइन ने कहा, “ईंधन की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। हाल ही में महीने-दर-महीने कीमतों में 14 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी के कारण एटीएफ की लागत पिछले एक दशक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) एयरलाइन की ऑपरेटिंग लागत का एक बड़ा हिस्सा होता है, इसलिए इस बढ़ोतरी का असर एयरलाइंस की लागत संरचना और नेटवर्क इकोनॉमिक्स पर पड़ने की उम्मीद है, जिसमें ईंडिगो भी शामिल है।”



एयरलाइन ने बताया कि घरेलू मार्ग पर 500 किलोमीटर तक की उड़ानों के लिए 375 रुपये, 501 से 1,000 किलोमीटर तक की उड़ानों के लिए 600 रुपये, 1,001 से 1,500 किलोमीटर तक की उड़ानों के लिए 900 रुपये, 1,501 से 2,000 किलोमीटर की उड़ानों के लिए 1,150 रुपये और 2,000 किलोमीटर से ज्यादा की उड़ानों के लिए 1,300 रुपये का फ्यूल चार्ज लगेगा। वहीं, इंटरनेशनल रूट पर, सार्क क्षेत्र के अंदर 500 किलोमीटर तक की दूरी वाली उड़ानों पर 1,000 रुपये और 500 किलोमीटर से ज्यादा दूरी वाली उड़ानों पर 3,000 रुपये का फ्यूल चार्ज लगेगा। साउथ-ईस्ट एशिया, जीसीसी, मिडिल ईस्ट और नॉर्थ व ईस्ट एशिया जाने वाली उड़ानों पर 5,500 रुपये का फ्यूल चार्ज लगेगा, जबकि अफ्रीका और यूरोप जाने वाली उड़ानों पर 6,000 रुपये का फ्यूल चार्ज लगेगा।



न्यूज विंडो

सऊदी अरब से रक्षा और सुरक्षा समझौता निभाएगा अमेरिका

वॉशिंगटन । अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि सऊदी अरब समर्थित यमनी सेनाएं हूती विद्रोहियों के हमले का जवाब दे रही हैं और ऐसे समय में अमेरिका, सऊदी अरब के साथ अपने रक्षा और सुरक्षा से जुड़े वादों को निभाएगा। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि वॉशिंगटन इस लड़ाई में हवाई सैन्य मदद देगा या नहीं। यूरोप रवाना होने से पहले वॉशिंगटन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान रुबियो ने कहा कि सऊदी अरब पर हूती विद्रोहियों ने हमला किया है और उसे अपनी रक्षा करने का अधिकार है। रणनीतिक रूप से अहम जलडमरूमध्य के पास के इलाके को लेकर लड़ाई जारी है। जॉर्डन बेस एंड्रयूज में पत्रकारों से बात करते हुए रुबियो ने कहा कि अमेरिका का सऊदी अरब के साथ रक्षा और सुरक्षा समझौता है और हम इसे निभाने का इरादा रखते हैं। उन्होंने कहा कि मैं इससे ज्यादा जानकारी पर चर्चा नहीं करूंगा।

असम और मणिपुर में भूकंप के झटकों से डोली धरती

गुवाहाटी। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी की ओर से मंगलवार को जानकारी दी गई कि असम के नागांव जिले में 4.5 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, तड़के 4:23 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसका केंद्र जमीन में तकरीबन 33 किलोमीटर गहराई में था। भूकंप के झटकों से लोगों में दहशत का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार, भूकंप की वजह से किसी भी जान-माल की कोई क्षति नहीं हुई है। वहीं, मंगलवार तड़के 4:27 बजे मणिपुर तामेंगलोग में भी 2.9 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसका केंद्र जमीन में तकरीबन 12 किलोमीटर गहराई में था। मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात 12-33 बजे मेघालय के पश्चिम खासी हिस्स में 3.1 की तीव्रता का भूकंप का झटका आया। इसका केंद्र जमीन में 5 किलोमीटर गहराई में था।

पंजाब में पराली जलाने पर सख्ती, 84 मामले आए सामने आए, 1.40 लाख का जुर्माना

पटियाला । पंजाब में धान की पराली जलाने के मामलों पर प्रशासन सख्त हो गया है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की 5 अक्टूबर तक की रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में अब तक पराली जलाने की 84 घटनाएं सामने आई हैं। रिपोर्ट के अनुसार इनमें से 78 मामलों में खेतों का निरीक्षण किया गया। भौतिक जांच के दौरान 30 जगहों पर पराली जलाने की पुष्टि हुई है। प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए 28 मामलों में पर्यावरणीय मुआवजा लगाया है। इसकी कुल राशि 1.40 लाख रुपए है, जिसमें से अब तक 55 हजार रुपए वसूले जा चुके हैं। इसके अलावा 13 मामलों में किसानों के फार्म रिकॉर्ड में रेड एंटी की गई है और एक मामले में एफआईआर भी दर्ज की गई है। नोडल और सुपरवाइजरी अधिकारियों ने 36 जगहों पर चेतावनी और शो-कांज नोटिस जारी किए हैं।

राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा से समझौता नहीं करेगा ईरान-विदेश मंत्री अराघची

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशिकयन और विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने तेहरान दौरे पर आए आर्मेनिया के विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान से अलग-अलग मुलाकात की। दोनों ने कहा कि ईरान अपने राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। ईरानी राष्ट्रपति कार्यालय की वेबसाइट पर जारी बयान के अनुसार, सोमवार को मिर्जोयान के साथ मुलाकात में पेजेशिकयन ने अमेरिका की आलोचना की। उन्होंने कहा, ऐसे दुश्मन के साथ बातचीत का कोई मतलब नहीं है, जो हर दिन हत्या, प्रतिबंध, दबाव और धमकियों का सहारा लेता है और अपने वादे तोड़ता है। अब तक बातचीत के बाद अमेरिका ने हम पर तीन बार हमला किया है। इससे साफ है कि वे बातचीत नहीं चाहते, बल्कि उनका मकसद ईरान की इस्लामी गणराज्य की व्यवस्था को गिराना है। समाचार एजेंसी सिन्हूआ के मुताबिक, पेजेशिकयन ने कहा कि 28 फरवरी को दक्षिणी ईरान के मीनाब शहर के एक स्कूल में 168 मासूम बच्चों की मौत पर वॉशिंगटन के पास कोई जवाब नहीं है।

तीनों देशों ने सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था लागू करने पर जताई सहमति, हूतियों के खिलाफ सऊदी के साथ उतरेंगे तुर्की-पाक ! मक्का रक्षा समझौता सक्रिय

रियाद, एजेंसी

यमन के हूती विद्रोहियों के लगातार हमलों के बीच सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की ने अपनी सामूहिक रक्षा व्यवस्था को सक्रिय करने का फैसला किया है। रियाद में हुई तीनों देशों की आपात बैठक में सामूहिक निवारक कदम तत्काल लागू करने पर सहमति बनी। इसके तहत तय सैन्य बलों और सुरक्षा क्षमताओं को स्वीकृत व्यवस्था तथा संबंधित देशों के कानूनों के अनुसार जल्द सऊदी अरब में तैनात किया जा सकता है।

बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में तीनों देशों ने स्पष्ट किया कि उनकी सुरक्षा एक-दूसरे की सामूहिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस फैसले को क्षेत्र में बढ़ते सुरक्षा खतरे के बीच सऊदी अरब की सुरक्षा मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। सऊदी रक्षा मंत्री खालिद बिन सलमान ने कहा कि गठबंधन की रणनीतिक राजनीतिक एवं रक्षा समिति ने हालिया हूती हमलों के जवाब में सामूहिक निवारक उपायों को सक्रिय करने पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि यह कदम यमन के ईरान समर्थित हूती समूह के हालिया हमलों और उनके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सामूहिक प्रतिक्रिया के तहत उठाया जा रहा है। तीनों देशों के बीच रक्षा सहयोग बढ़ाने का उद्देश्य संभावित खतरों से निपटने के लिए साझा सैन्य तैयारी को मजबूत करना है।



सऊदी अरब में बढ़ सकती है सैन्य तैनाती

समझौते के तहत सऊदी अरब में पाकिस्तान और तुर्की की सैन्य क्षमताओं तथा अन्य सुरक्षा संसाधनों की तैनाती का रास्ता खुल सकता है। हालांकि, सैनिकों की संख्या, तैनाती की जगह और अभियान की विस्तृत रूपरेखा के बारे में तत्काल कोई विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

'एक पर हमला, तीनों पर हमला'

पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की ने अगस्त में मक्का संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते की सबसे अहम शर्त यह है कि तीनों देशों में से किसी एक पर सशस्त्र हमला होने की स्थिति को सभी तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। यही प्रावधान अब हूती हमलों के बीच खास महत्व रखता है। सऊदी अरब पर बढ़ते हमलों की स्थिति में पाकिस्तान और तुर्की के साथ उसकी सामूहिक रक्षा व्यवस्था सक्रिय हो सकती है।

तुर्की और पाकिस्तान की भूमिका अहम

सऊदी अरब के साथ पाकिस्तान के लंबे समय से रक्षा संबंध रहे हैं। दोनों देशों के बीच सैन्य प्रशिक्षण और सुरक्षा सहयोग का पुराना इतिहास है। दूसरी ओर तुर्की ने भी हाल के वर्षों में सऊदी अरब के साथ रक्षा और सुरक्षा संबंधों को मजबूत किया है। मक्का रक्षा समझौता इन द्विपक्षीय संबंधों को एक व्यापक सामूहिक सुरक्षा ढांचे में जोड़ता है। ऐसे में हूती हमलों के बीच इसका सक्रिय होना क्षेत्रीय सुरक्षा समीकरणों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मध्य-पूर्व में बढ़ेगा सैन्य तालमेल

तीनों देशों ने कहा है कि सामूहिक रक्षा व्यवस्था का उद्देश्य केवल मौजूदा खतरों का जवाब देना नहीं, बल्कि भविष्य में उभरने वाले सुरक्षा खतरों से निपटने की तैयारी को भी मजबूत करना है। इसके तहत सैन्य तालमेल, खुफिया सहयोग और सुरक्षा क्षमताओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया जाएगा। हूतियों के साथ संघर्ष पहले ही मध्य-पूर्व की सुरक्षा स्थिति को प्रभावित कर रहा

है। ऐसे में सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की का एक साझा रक्षा ढांचे के तहत आगे आना क्षेत्रीय शक्ति संतुलन के लिए महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यह है कि मक्का रक्षा समझौते के तहत सऊदी अरब में पाकिस्तान और तुर्की की सैन्य मौजूदगी किस स्तर तक बढ़ती है और हूती हमलों के जवाब में तीनों देश किस तरह की सामूहिक रणनीति अपनाते हैं।

लखनऊ एयरपोर्ट परिसर में लगी आग दो मजदूर झुलसे; दो किमी तक दिखा धुआ

लखनऊ। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट परिसर में मंगलवार सुबह करीब 6-30 बजे मजदूरों की लेबर कॉलोनी में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में लपटें और धुआं दूर से दिखाई देने लगा। हादसे के बाद मजदूरों में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के मुताबिक, एयरपोर्ट परिसर में टाटा प्रोजेक्ट्स की ओर से मजदूरों के रहने के लिए पीवीसी पैन्ल से तीन मंजिला आवास बनाया गया था। इसमें करीब 352 मजदूर रह रहे थे। बताया गया कि सुबह एक मजदूर सिलेंडर से खाना बना रहा था, तभी अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। आग फैलने से पहले ही सभी मजदूरों को आवास से सुरक्षित बाहर निकाल लिया



गया। हालांकि सामान निकालने की कोशिश में निर्मल और राहुल नाम के दो मजदूर झुलस गए। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। सूचना मिलते ही दमकल की नौ गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशकत के बाद आग पर काबू पाया। आग से ग्राउंड

सीईसी का पुतला फूंकना सपा नेताओं को पड़ा भारी, जिलाध्यक्ष समेत 9 पर मुकदमा दर्ज

कौराम्बी, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के कौराम्बी जिले में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के सांकेतिक पुतले को जलाकर प्रदर्शन करना समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को भारी पड़ गया। पुलिस ने मंझनपुर चौराहे पर प्रदर्शन, सड़क पर यातायात बाधित करने, नारेबाजी और पुतला दहन के आरोप में सपा जिलाध्यक्ष दयाशंकर यादव समेत नौ नामजद लोगों और अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि प्रदर्शन के दौरान मुख्य



मार्ग पर आवागमन प्रभावित हुआ और पुतला जलाए जाने के बाद मौके पर धुआं और अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। दरअसल, 5 अक्टूबर को समाजवादी पार्टी के सैकड़ों

कार्यकर्ताओं ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध में मंझनपुर चौराहे पर प्रदर्शन किया था। कार्यकर्ता सपा कार्यालय से नारेबाजी करते हुए चौराहे तक पहुंचे।

मेट्रो एंकर

व्हाइट हाउस से निकलकर कैरोलिन लेविट की फॉक्स न्यूज में नई पारी

ट्रंप की 'मशीनगन' अब टीवी पर करेगी धुआंधार कमेंट्री

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की करीबी सहयोगी और पूर्व प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट अब व्हाइट हाउस से निकलकर टेलीविजन की दुनिया में नई भूमिका निभाने जा रही हैं। कैरोलिन 1 नवंबर से फॉक्स न्यूज के साथ टेलीविजन टिप्पणीकार के तौर पर जुड़ेंगी। समाचार चैनल ने सोमवार को उनके नए पद की आधिकारिक घोषणा की। व्हाइट हाउस और ट्रंप के चुनाव प्रचार अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बाद अब वह सीधे दर्शकों के बीच अपनी बात रखती नजर आएंगी।

कैरोलिन लेविट को ट्रंप प्रशासन

में अपनी बेबाक और तेजतर्रार संवाद शैली के लिए जाना जाता रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप भी कई मौकों पर उनकी सार्वजनिक रूप के बाद कैरोलिन की यह पहचान राजनीतिक हलकों में काफी चर्चित हुई। अब यही तेज और स्पष्ट संवाद शैली उन्हें टेलीविजन पर से तारीफ कर चुके हैं। वर्ष 2025 में एक बातचीत के दौरान ट्रंप ने उनके बोलने की तेज गति की तुलना 'मशीनगन' से की थी। ट्रंप के इस बयान के बाद कैरोलिन की यह पहचान राजनीतिक हलकों में काफी चर्चित हुई। अब यही तेज और स्पष्ट संवाद शैली उन्हें टेलीविजन पर अपनी नई भूमिका में भी पहचान दिला सकती है।

1 नवंबर से शुरू होगी नई जिम्मेदारी

फॉक्स न्यूज की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुजेन स्कॉट ने कैरोलिन के अनुभव को महत्वपूर्ण नई जिम्मेदारी को लेकर उत्साह जताया है। उन्होंने कहा कि व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव के रूप में मिले अनुभव के बाद अब फॉक्स न्यूज के करोड़ों दर्शकों के सामने अपनी बात रखने का अवसर उनके बताते हुए कहा कि व्हाइट हाउस और चुनाव प्रचार अभियान में उनके प्रत्यक्ष अनुभव से उन्हें मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों को समझने का अलग नजरिया मिला है।



व्हाइट हाउस की सबसे कम उम्र की प्रेस सचिव

कैरोलिन लेविट ने महज 29 वर्ष की उम्र में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव बनकर इतिहास रचा था। वह इस पद पर पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की व्यक्ति रही हैं। अगस्त में उन्होंने प्रेस सचिव का पद छोड़ दिया था। इसके बाद अब उन्होंने अपने पेशेवर जीवन की अगली पारी के लिए फॉक्स न्यूज को चुना है।

फॉक्स न्यूज और ट्रंप खेमे का पुराना संबंध

कैरोलिन लेविट का फॉक्स न्यूज से जुड़ना कोई बिल्कुल नया घटनाक्रम नहीं है। इससे पहले ट्रंप के पहले कार्यकाल में प्रेस सचिव रही कैली मैकनेनी भी वर्ष 2021 में फॉक्स न्यूज से जुड़ी थीं। वहीं दूसरी ओर ट्रंप प्रशासन में फॉक्स न्यूज से जुड़े कई लोग महत्वपूर्ण सरकारी जिम्मेदारियां भी संभाल चुके हैं। ऐसे में कैरोलिन का फॉक्स न्यूज में शामिल होना दोनों के बीच पहले से मौजूद संबंधों की एक और कड़ी के रूप में देखा जा रहा है।

अब टीवी पर दिखेगा व्हाइट हाउस का अनुभव कैरोलिन की नई भूमिका में उनके सामने सबसे बड़ा अवसर अपने प्रशासनिक और राजनीतिक अनुभव को दर्शकों के सामने रखने का होगा। व्हाइट हाउस में रहते हुए उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियों और फैसलों का बचाव करने के साथ मीडिया के तीखे सवालों का सामना किया। अब वही अनुभव वह टेलीविजन पर राजनीतिक घटनाक्रम की व्याख्या और टिप्पणी में इस्तेमाल करेगी।